मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 5 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 145 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कुमाऊं में सांस्कृतिक लोक उत्सव है होली

बैंडिट क्वीन के लिए नीना ने दिया था ऑडिशन ◂◂ 6

हाथियों के हमले से तीन बुजुर्ग महिलाओं की मौत, एक गंभीर

बोकारो : राज्य में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज अहले सुबह हाथियों के हमले में तीन बुजुर्ग महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम माहौल है तथा ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना बोकारो जिले के वन प्रक्षेत्र महुआटांड़ अंतर्गत बड़कीपुन्नू गांव का है। मृतकों में 65 वर्षीय गंगा करमाली और उनकी पत्नी 63 वर्षीय कमली देवी और एक अन्य 65 वर्षीय महिला भगिया देवी शामिल है। हमले में 50 वर्षीय करमी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग अपने घर में गहरी नींद में सोए हुए थे । तभी हाथियों का झुंड बड़कीपुन्नू के करमाली टोला में घुस आया। लोगों के घरों पर हमला कर दिया। वहीं इस हमले में तीन लोगों की जान चली गई जबकि एक बुरी तरह से घायल हो गई। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के बढ़ते हमलों के बावजूद अब तक कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। लोगों का कहना है कि वे दहशत और भय के माहौल में जी रहे हैं। इधर घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। फिलहाल प्रशासन और वन विभाग की ओर से हालात पर नजर रखने की बात कही जा रही है।

भारत तो पहले से हिंदू राष्ट्र है, अलग से घोषित करने की कोई जरूरत नहीं

एजेंसी/खरगोन: ष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र है और जो पहले से विद्यमान है, उसकी घोषणा करने की कोई आवश्यकता नहीं होती। डॉ. भागवत मध्यप्रदेश के खरगोन जिले की कसरावद तहसील के ग्राम लेपा स्थित श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन में आयोजित विचार-प्रेरक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन निमाड़ अभ्युदय रूरल मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कई जगह लोग मुझसे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र की घोषणा कीजिए, मेरा मानना है जो पहले से है, उसकी फिर क्या घोषणा करना। सूर्य पूर्व से उदय होता है, यह घोषणा करने की जरूरत ही नहीं है। जैसे सूर्य पूर्व से ही उदय होता है, उसके लिए किसी घोषणा की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि सेवा, कर्म और सभी के कल्याण पर आधारित एक जीवन-दृष्टि है। सरसंघचालक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में चैरिटी नहीं, बल्कि सेवा का भाव है। सभी मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप हैं, इसलिए उपकार नहीं, बल्कि सेवा करना हमारा धर्म है। सेवा से व्यक्ति की शुद्धि होती है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य देखकर और अनुभव से सीखता है। भारत की सभ्यता की यात्रा यह सिखाती है कि सच्चा सुख बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा ने मनुष्य को आत्मअन्वेषण की दिशा दी, जिससे शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने संवेदना को मनुष्य का मूल गुण बताते हुए कहा कि दूसरों के दुख की उपेक्षा कर सुख प्राप्त नहीं किया जा सकता। शिक्षा पर बोलते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि जन्मांतर का ज्ञान मनुष्य के मस्तिष्क में निहित होता है और शिक्षा का उद्देश्य उसी अंतर्निहित ज्ञान को बाहर लाना है। टंट्या मामा और गाडगे महाराज जैसे समाज सुधारकों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि औपचारिक शिक्षा के अभाव में भी उनके कार्यों के कारण आज समाज उन्हें सम्मान देता है। वास्तविक शिक्षा वही है जो विश्व मानवता का बोध कराए, आत्मनिर्भर बनाए और श्रम की प्रतिष्ठा सिखाए। उन्होंने कहा कि भारत का स्वभाव व्यक्ति से अधिक कर्म को महत्व देने का है तथा परिणाम से अधिक प्रामाणिक और उत्कृष्ट कार्य पर बल देता है।

यूपीएससी ने जारी किया सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन, नियमों मे बड़ा बदलाव

आईएएस- आईएफएस बार-बार नहीं दे पाएंगे एग्जॉम, आईपीएस के लिए भी बदला नियम

नई दिल्ली : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। आयोग ने इस बार कुल 933 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, जिसके तहत आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस जैसी सेवाओं में अधिकारियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 24 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस बार आयोग ने पात्रता नियमों और परीक्षा के प्रयासों को लेकर बड़े और सख्त बदलाव किए हैं, जिसका सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा जो पहले से किसी सेवा में चयनित हैं।

पहले से तैनात आईएएस और आईएफएस अफसरों के लिए रास्ते बंदः नए नियमों के तहत आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि जो उम्मीदवार पिछली परीक्षाओं के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में नियुक्त हो चुके हैं और सेवा में कार्यरत हैं, वे 2026 की परीक्षा में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे। आयोग ने इसके लिए समय सीमा भी निर्धारित की है। यदि किसी उम्मीदवार की नियुक्ति प्रारंभिक परीक्षा के बाद लेकिन मुख्य परीक्षा से पहले होती है, तो उसे मुख्य परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसी तरह, यदि मुख्य परीक्षा के बाद और फाइनल रिजल्ट से पहले नियुक्ति मिलती है, तो उसे इस नई परीक्षा के आधार पर कोई भी सेवा आवंटित नहीं की जाएगी।

मौजूदा आईपीएस अधिकारियों पर भी कड़े नियम लागूः भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) को लेकर भी आयोग ने नियमों को और पारदर्शी व सख्त बना दिया है। नए प्रावधानों के मुताबिक, जो उम्मीदवार पहले से आईपीएस पद पर चयनित या नियुक्त हैं, उन्हें सिविल सेवा परीक्षा 2026 के परिणामों के आधार पर दोबारा आईपीएस सेवा नहीं दी जाएगी। इसका अर्थ है कि वे रैंक सुधारने के उद्देश्य से परीक्षा तो दे सकते हैं, लेकिन वे दोबारा आईपीएस कैडर चुनने के पात्र नहीं होंगे। यह कदम सेवाओं के आवंटन में दोहराव रोकने के लिए उठाया गया है।

इस्तीफा और भविष्य की परीक्षाओं के लिए नई शर्तेः आयोग ने भविष्य में परीक्षा देने के इच्छुक चयनित उम्मीदवारों के लिए वन टाइम अवसर और इस्तीफे की शर्त भी जोड़ी है। सीएसई 2025 या उससे पहले चयनित उम्मीदवारों को एक विशेष मौका दिया गया है, जिसके तहत वे बिना इस्तीफा दिए 2026 या 2027 में से किसी एक परीक्षा में बैठ सकते हैं। लेकिन, यदि वे 2028 या उसके बाद परीक्षा देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी वर्तमान सेवा से इस्तीफा देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, जो उम्मीदवार 2026 में चयनित होकर 2027 में फिर परीक्षा देना चाहेंगे, उन्हें ट्रेनिंग से छूट के लिए विभाग से अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति ट्रेनिंग छोड़ने पर उनका सेवा आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

भारत- रूस संबंधः ट्रंप के दावों पर मॉस्को का दोटूक जवाब- 'हमारे भारतीय मित्र कभी नहीं बदलेंगे'

नई दिल्लीः रूस ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उसे विश्वास नहीं है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल का साथ छोड़ेगा। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कहा गया था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत नई दिल्ली रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। मारिया जखारोवा ने बुधवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका द्वारा स्वतंत्र देशों को यह बताना कि उन्हें किसके साथ व्यापार करना चाहिए, कोई नई बात नहीं है।

2 फरवरी को, डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच एक ट्रेड डील की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच महीनों से चल रही बातचीत पर सस्पेंस खत्म हो गया। ट्रंप ने कहा कि इस डील के तहत भारतीय आयात पर आपसी टैरिफ को घटाकर 18% कर दिया जाएगा और यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के साथ भारत के तेल व्यापार को रोकने पर सहमत हो गए हैं। भारत ने बाद में टैरिफ में कटौती की पुष्टि की, लेकिन भारत-रूस ऊर्जा संबंधों के भविष्य पर ट्रंप के दूसरे दावे को स्वीकार नहीं किया।

रूस को 'भारतीय दोस्तों' पर भरोसा : ट्रंप के दावों के कुछ दिनों बाद, रूस की जखारोवा ने कहा कि ट्रंप यह तानाशाही करने की कोशिश कर रहे थे कि एक स्वतंत्र देश को क्या करना चाहिए और मॉस्को को विश्वास नहीं था कि उसके भारतीय दोस्तो ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों पर अपना रुख बदल लिया है।

जखारोवा ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति का यह तय करने की कोशिश करना कि भारत जैसा स्वतंत्र देश किसके साथ व्यापार कर सकता है, कोई नई बात नहीं है। रूस के पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि हमारे भारतीय दोस्तों ने अपना रुख बदल लिया है,उन्होंने आगे कहा कि संसाधनों का व्यापार भारत और रूस दोनों के लिए फायदेमंद था।

उन्होंने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने में योगदान देती है। हम भारत में अपने भागीदारों के साथ इस क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग जारी रखने के लिए तैयार हैं। 'भारत किसी भी देश से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है': जहां जखारोवा ने विश्वास जताया कि ट्रंप के तेल के दावे के बाद भारत अपनी ऊर्जा व्यापार नीतियों में बदलाव नहीं करेगा, वहीं रूस के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने एक अलग राय पेश करते हुए कहा कि भारत किसी भी देश से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है।

दिमित्री पेसकोव ने कहा, हम, अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञों के साथ, अच्छी तरह से जानते हैं कि रूस भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का एकमात्र आपूर्तिकर्ता नहीं है। भारत ने हमेशा इन उत्पादों को अन्य देशों से खरीदा है। इसलिए, हमें इसमें कुछ भी नया नहीं दिखता है।

रूस के साथ भारत का तेल व्यापार नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच आर्थिक तनाव का एक बड़ा मुद्दा था। पिछले साल, ट्रंप ने इस तेल व्यापार का हवाला देते हुए भारत पर टैरिफ दोगुना करके 50% कर दिया था। इस महीने भारत के साथ एक ट्रेड डील की घोषणा करते हुए, ट्रंप ने जोर देकर कहा कि भारत मॉस्को के साथ एनर्जी ट्रेड बंद करने पर सहमत हो गया है, एक ऐसा कदम जिससे उनके अनुसार यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद मिलेगी।

महंगाई भत्ते के हक पर अदालत ने कहा यह लागू करने योग्य अधिकार

▶ पश्चिम बंगाल से जुड़ा है मामला

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आज करीब 20 लाख कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महंगाई भत्ते का भुगतान लागू करने योग्य अधिकार है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2008 से 2019 तक की अवधि का ऊअ बकाया भुगतान किया जाना चाहिए। अंतरिम आदेश का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने इस बात को भी साफ किया कि कुल बकाए की कम से कम 25% राशि 6 मार्च तक जारी कर दी जानी चाहिए।

पश्चिमी नाइजीरिया में आतंकियों का खूनी खेल, दो गांवों में 162 लोगों का नरसंहार

पश्चिमी नाइजीरियाः क्वारा राज्य में मंगलवार शाम को हुए एक भीषण हमले में कम से कम 162 लोगों की जान चली गई है। हथियारबंद चरमपंथियों ने दो सुदूर गांवों को निशाना बनाकर इस कत्लेआम को अंजाम दिया। स्थानीय सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बुधवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए इसे हाल के महीनों का सबसे घातक हमला करार दिया है।

क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बताया कि मंगलवार शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों को निशाना बनाकर हमले किए गए। उन्होंने बताया कि यह हमला नाइजीरिया में हाल के महीनों में हथियारबंद चरमपंथियों के सबसे घातक हमलों में से एक है। बायो ने कहा कि ये हमले इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकवादी संगठन लकुरावा द्वारा किए गए हैं।

दावा- डोभाल की बैकडोर बातचीत के बाद अमेरिकी ट्रेड डील

विदेश मंत्री से कहा था- भारत झुकेगा नहीं, ट्रम्प के हटने का इंतजार करेंगे

नई दिल्ली :अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर लगाए गए ट्रेड टैरिफ को 18 प्रतिशत करने की घोषणा की है। बताया जा रहा है कि इसके पीछे भारत का राष्ट्रीय हितों से समझौता न करने का दृढ़ रुख एक प्रमुख कारण रहा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष सितंबर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के लिए एक स्पष्ट संदेश लेकर अमेरिका गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान डोभाल ने रूबियो से कहा था कि भारत राष्ट्रपति ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगियों की धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अतीत में भी प्रतिकूल अमेरिकी सरकारों का सामना कर चुका है और वह दबाव में आने की बजाय मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करने को तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर की शुरूआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद अमेरिका के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के प्रयासों के तहत डोभाल को वॉशिंगटन भेजा था। इसी दौरान डोभाल और रूबियो की मुलाकात हुई। मुलाकात से जुड़े भारतीय अधिकारियों के अनुसार, डोभाल ने रूबियो से कहा था कि भारत राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यकाल पूरा होने तक धैर्य रखने को तैयार है, लेकिन वह यह भी चाहता है कि ट्रंप और उनके सहयोगी सार्वजनिक मंचों पर भारत की आलोचना से बचें, ताकि द्विपक्षीय रिश्तों को सुधारा जा सके।

इस बैठक के कुछ समय बाद ही तनाव कम होने के संकेत मिलने लगे। 16 सितंबर को राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर फोन कर उनके काम की सराहना की थी। इसके बाद वर्ष के अंत तक दोनों नेताओं के बीच टैरिफ कम करने की संभावनाओं को लेकर फोन पर चार बार बातचीत हुई। हालांकि सार्वजनिक तौर पर दोनों देशों की ओर से किसी समझौते का संकेत नहीं दिया गया था। ऐसे में सोमवार को कई भारतीय अधिकारी तब हैरान रह गए, जब ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर इस डील को लेकर पोस्ट साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो के साथ डोभाल की सितंबर की मुलाकात अमेरिका के लिए यह संकेत थी कि भारत उसे दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखता है और संबंधों को और खराब नहीं होने देना चाहता।

भारत में आम राय रही है कि चीन को संतुलित करने और वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अमेरिकी पूंजी, तकनीक और सैन्य सहयोग महत्वपूर्ण है। दिसंबर में भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के आगमन से भी यह संकेत मिला कि संबंधों को सुधारने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू हो गए हैं। गोर व्हाइट हाउस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप तथा विदेश मंत्री रूबियो के करीबी माने जाते हैं। अपने पहले सार्वजनिक भाषण में उन्होंने भारत-अमेरिका के बीच तनाव को असली दोस्तों के बीच असहमति बताया था।

हालांकि संबंधों में सुधार के संकेतों के बावजूद भारत ट्रंप प्रशासन के साथ सावधानी बरतने के पक्ष में है, क्योंकि वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी की रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ हाथ पकड़कर हंसते हुए वायरल हुई तस्वीर भी यह दिखाने का संकेत थी कि भारत के पास अन्य विकल्प मौजूद हैं। दिसंबर में पुतिन के भारत दौरे पर उनका भव्य स्वागत भी इसी संदेश का हिस्सा माना जा रहा है।

भारत ने हाल ही में लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह समझौता ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के कुछ महीनों बाद आया है। इन घटनाक्रमों से स्पष्ट होता है कि अमेरिका के साथ अस्थायी रुकावटों के बावजूद भारत अपने व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों में विविधता लाने को लेकर गंभीर है। इसी कड़ी में इस महीने के अंत में प्रधानमंत्री मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा की मेजबानी भी करेंगे।

जेएमएम स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री का आउटसोर्सिंग कंपनियों पर निशाना, स्थानीय को देनी होगी नौकरी

धनबादः झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के 54वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता हेमंत सोरेन ने धनबाद में ऐतिहासिक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि यह धरती सिर्फ एक मैदान नहीं, बल्कि वही स्थल है जहां से झारखंड आंदोलन की दिशा तय हुई और जल-जंगल-जमीन व आदिवासी-मूलवासी अधिकारों की ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी धरती से झारखंड को अलग राज्य बनाने का ऐलान हुआ था और कई ऐसे मार्गदर्शक नेताओं ने यहां से जनता को रास्ता दिखाया, जो आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संघर्ष आज भी प्रेरणा है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि, राज्य संवारने का संकल्पः मुख्यमंत्री ने शिबू सोरेन (दिशोम गुरु) को याद करते हुए कहा कि उनकी पहचान सिर्फ झारखंड ही नहीं, बल्कि देश-दुनिया में है।

उन्होंने कहा, आज उन्हें श्रद्धांजलि देकर उनके दिखाए रास्ते पर चलने और झारखंड को संवारने का संकल्प लेने का दिन है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि आज जोहार सिर्फ झारखंड तक सीमित नहीं रहा। देश के अलग-अलग हिस्सों और विदेश यात्राओं के दौरान भी लोग जोहार कहकर सम्मान देते हैं, यह हमारी संस्कृति की ताकत है।

नगर निकाय चुनाव के बीच भी संघर्ष की प्रतिबद्धताः नगर निकाय चुनाव की घोषणा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम सीमित समय का है, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के संघर्ष पर कोई असर नहीं पड़ता। दिन-रात, धूप-बरसात, गर्मी-सर्दी कोई फर्क नहीं पड़ता। पार्टी हर मौसम में, हर चुनौती में अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहती है।

धनबाद, कोयला और 75% स्थानीय रोजगार का मुद्दाः कोयला नगरी धनबाद का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक कंपनियों में आउटसोर्सिंग के जरिए निजी कंपनियों को लाकर बाहर के मजदूरों को काम दिया जा रहा है।

उन्होंने साफ चेतावनी दी— 75 प्रतिशत स्थानीय नियोजन हर हाल में लागू करना होगा, नहीं तो स्थानीय लोग अपने हक-अधिकार के लिए संघर्ष करेंगे।

झारखंड विरोधी ताकतों से सतर्क रहने की अपीलः हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड बड़ी मेहनत और बलिदान से मिला है, इसलिए झारखंड-विरोधी ताकतों को दोबारा खड़ा होने का मौका नहीं दिया जाएगा। उन्होंने गांव-शहर की एकता पर जोर देते हुए कहा, गांव भी हमारा है, शहर भी हमारा है—हमें एक ताकत बनकर खड़ा होना होगा।

केंद्र सरकार पर सौतेले व्यवहार का आरोपः मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह झारखंड आंदोलन लड़ा गया, उसी तरह अब राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तर पर अधिकारों की लड़ाई भी लड़ी जाएगी।

संसाधन देने वाला झारखंड, फिर भी पिछड़ा क्यों?: हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड ने देश को कोयला और खनिज जैसे संसाधन दिए, लेकिन बदले में राज्य को गरीबी, अशिक्षा और शोषण मिला।

इसी अन्याय के खिलाफ दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अलग राज्य का आंदोलन छेड़ा, जिसमें अनगिनत बलिदान हुए।

अबुआ सरकार का संकल्पः हर घर तक पहुंच मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अबुआ सरकार है और लक्ष्य है— हर व्यक्ति तक पहुंचना, हर घर को मजबूत करना, और आदिवासी-दलित-किसान-मजदूर के बच्चों को आगे बढ़ने का मौका देना।

वीर भूमि झारखंडः संघर्ष ही पहचान धनबाद को क्रांतिकारी धरती बताते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है। भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हू, तिलका मांझी, बिनोद बिहारी महतो से लेकर दिशोम गुरु तक का संघर्ष और बलिदान आज झारखंड को अलग पहचान देता है।

अनियंत्रित होकर पलटा डोमिनोज पिज्जा का ट्रक , लाखों का सामान बर्बाद, एक घायल

खूंटीः खूंटी- तमाड़ मुख्य मार्ग पर कदमा चर्च के समीप आज तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। डोमिनोज पिज्जा का सामान लेकर जा रहा एक ट्रक (नंबर एनएल 07 एए 3752) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं उसमें लदा पिज्जा का सारा सामान बर्बाद हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह ट्रक कल कोलकाता से संबलपुर-राउरकेला के लिए रवाना हुआ था। चालक ने बताया कि ट्रक कल शाम करीब 6 बजे कोलकाता से निकला था, और आज सुबह लगभग 3:30 बजे खूंटी-तमाड़ मार्ग पर कदमा चर्च के पास टर्निंग के दौरान ड्राइवर को झपकी आने से हादसे का शिकार हो गया।

ट्रक में दो चालक सवार थे, जिनके नाम विनोद कुमार और रामकृष्ण बताए गए हैं। हादसे के समय विनोद कुमार वाहन चला रहे थे। चालक विनोद कुमार के अनुसार, सुबह के समय कदमा चर्च के पास मोड़ पर उन्हें हल्की झपकी आ गई, जिसके कारण वाहन संतुलन खो बैठा और सड़क के रेलिंग को तोड़ते हुए दूसरी ओर जाकर पूरी तरह पलट गया।

दुर्घटना में ट्रक में बैठे दूसरे चालक रामकृष्ण को माथे में हल्की चोट आई है। हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर आवागमन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। वहीं ट्रक पलटने से सड़क किनारे रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हो गई है। ट्रक में लदा डोमिनोज पिज्जा का पूरा सामान बर्बाद हो गया, जिससे कंपनी को भारी नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कदमा चर्च के पास यह स्थान पहले से ही दुर्घटनाओं के लिए संवेदनशील माना जाता है। यहां अक्सर तेज रफ्तार और तीखे मोड़ के कारण वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से इस जगह पर सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, संकेतक बोर्ड और स्पीड कंट्रोल के उपाय करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बालेश्वर गंझू की पहल रंग लाई, बेंती पंचायत को मिली स्कूल बस

चूरी कोलियरी के सहयोग से सैकड़ों बच्चों को मिलेगा शिक्षा का लाभ

खलारी : एनके एरिया अंतर्गत चूरी परियोजना द्वारा बेंती पंचायत के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए बुधवार को स्कूल बस उपलब्ध कराई गई। इस ऐतिहासिक पहल से बेंती पंचायत सहित आसपास के गांवों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया है

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे झारखण्ड ग्रामीण संघर्ष मोर्चा की अहम भूमिका रही। कुछ माह पूर्व झारखण्ड ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष बालेश्वर गंझू ने चूरी परियोजना पदाधिकारी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर पंचायत क्षेत्र के बच्चों को हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया था। उन्होंने बताया था कि दूर-दराज के गांवों से स्कूल जाने वाले बच्चों को रोजाना आवागमन में काफी परेशानी होती है, जिससे कई बच्चे पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं।उनकी इस गंभीर और जनहित से जुड़ी मांग को चूरी कोलियरी प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए स्कूल बस उपलब्ध कराने का निर्णय लिया, जो आज धरातल पर उतर गया।यह स्कूल बस बेंती पंचायत के पाहन टोंगरी, सखुआ टोला, करमकटी, बेंती, हड़गड़ी एवं न्यू मंगरदाह गांवों से बच्चों को लेकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (बीओसी), डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा, उसुर्लाइन कॉन्वेंट स्कूल खलारी सहित अन्य विद्यालयों तक नियमित रूप से जाएगी। इससे सैकड़ों बच्चों को सुरक्षित और समय पर विद्यालय पहुँचने में सुविधा मिलेगी।स्कूल बस का उद्घाटन बेंती पंचायत की मुखिया सरिता देवी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक, बच्चे एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अफीम तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

94 एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती को किया गया नष्ट

संवाददाता

चतराः पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर बुधवार को जिले में अवैध अफीम की खेती के उन्मूलन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में– कुंदा थाना अंतर्गत ग्राम मरगड़ा और पिंजनि में करीब 07 एकड़ लावालौंग थाना अंतर्गत ग्राम कोलकोले, बरहेड और टिकदा में 87 एकड़, कुल करीब 94 एकड़ वन भूमि में की जा रही अवैध अफीम की खेती को शुरूआती अवस्था में ही नष्ट किया गया।अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने आम लोगों से अपील किया है कि अवैध अफीम की खेती न करें तथा किसी भी व्यक्ति को ऐसी गैर-कानूनी गतिविधि करने से रोकने में चतरा पुलिस का सहयोग करें।

ईटखोरी महोत्सव की तैयारियों को लेकर पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

चतराः पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने ईटखोरी महोत्सव को लेकर ईटखोरी थाना अंतर्गत माँ भद्रकाली मंदिर परिसर में होने वाले ईटखोरी महोत्सव के आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण एवं आम जनता की सुविधा से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव के दौरान आम नागरिकों, महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन व्यवस्था तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम् खण्डेलवाल, पुअनि सह थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ईटखोरी थाना एवं अन्य पदाधिकारी भी मौजुद थे।

जान जोखिम में डालकर परीक्षा लिखने जाने को मजबूर मासूम बच्चें

सड़क सुरक्षा सप्ताह की धज्जियां उड़ा रहें वाहन चालक,कौन है जिम्मेदार

संवाददाता

चतराः सुरक्षित यात्री परिवहन के लिए सरकार ने नियम तो बहुत बनाए हैं। लेकिन इनका पालन तभी कराया जाता है जब कोई मंत्री या बड़ा अफसर कहे। अन्यथा सामान्य दिनों में मौत के सफर पर जिम्मेदार परिवहन और पुलिस महकमा आंखें ही बंद रखता है। इनकी लापरवाही से कभी किसी भी मासूम के साथ बड़ा हादसा घटित हो सकता है। ताजा मामला बुधवार को जिले के हंटरगंज प्रखंड के हंटरगंज बाजार चतरा - डोभी मुख्य पथ पर सामने आया है, जहां बोर्ड परीक्षा देने आए स्कूली छात्र वाहन में इस कदर भरे हुए थे कि उन्हें अपनी जान तक की परवाह नहीं थी। इन स्कूली छात्रों को जब वाहन के अंदर जगह नहीं मिली, तो यह छात्र ना सिर्फ वाहन की छत पर सवार हो गए, बल्कि वाहन के पीछे से भी लटक गए थे।

सड़क सुरक्षा सप्ताह की धज्जियां उड़ा रहें वाहन चालकः आपको बता दें कि जिले में सड़क सुरक्षा सप्ताह चल रहा है और यातायात के नियमों का पालन कराने का जिम्मा चतरा की पुलिस पर है, लेकिन आज (बुधवार) की तस्वीर देखकर आप समझ सकते हैं की सड़क सुरक्षा सप्ताह का हकीकत में कितना पालन हो रहा है। या फिर ये कहें की सड़क पर चलने वाले इस सड़क सुरक्षा सप्ताह की महज कागजों में ही खानापूर्ति की जा रही है। वाहन चालक भी यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।ऐसे में नौनिहालों की जान जोखिम में डालकर संचालित की जा रही वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग, पुलिस एवं शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने की जरुरत है।इधर इस संबंध में जिला परिवहन विभाग पदाधिकारी महेश्वरी यादव ने कहा कि वाहनों में ओवरलोड की मामला संज्ञान में आया है। थाना को निर्देश दिया गया है। यदि ऐसे वाहन मिलेंगे तो निश्चित ही कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को भगा ले जाने का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

चतराः जिले के हंटरगंज में गुमशुदा हुई एक नाबालिग किशोरी को पुलिस ने 14 दिनों के भीतर त्वरित कार्रवाई करते हुए बिहार के गया से सकुशल बरामद कर मामले में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।जानकारी के अनुसार दिनांक 19 जनवरी 2026 को हंटरगंज थाना क्षेत्र के एक निवासी ने अपने गांव की एक नाबालिग किशोरी के गुमशुदा होने की आवेदन हंटरगंज थाना पुलिस को दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देश पर गुमशुदा नाबालिग की तलाश और संभावित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए एक पुलिस टीम गठित की गई। सब इंस्पेक्टर नितेश कुमार प्रसाद म0आ024 सुहांगी सोरेन के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने व्यापक स्तर पर खोजबीन शुरू की।सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया तथा तकनीकी शाखा की सहायता से तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता 3 फरवरी को मिली, जब गुमशुदा किशोरी को बिहार के गया से बरामद कर लिया गया। मौके से आरोपी रूपेश कुमार 22 वर्ष पिता पुणे यादव ग्राम निवासी बहेरी थाना हंटरगंज जिला चतरा को गिरफ्तार किया गया। किशोरी को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।पीड़ित के आवेदन के आधार पर हंटरगंज थाना कांड संख्या12/26 दिनांक 19/01/26 धारा 96/3(5) पोस्को एक्ट के अंतर्गत कांड दर्ज की गई है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि ने बताया कि मामले की विवेचना गहनता से की जा रही है और संबंधित तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

होली पर घर जाने की टेंशन होगी खत्म

सांसद ने रेल मंत्री से की 12 रूटों पर 'होली स्पेशल' ट्रेन चलाने की मांग

संवाददाता

रांचीः होली पर घर जाने वाले झारखंड के प्रवासियों और यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आ रही है। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने यात्रियों की भारी भीड़ और ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। उन्होंने रांची और हटिया रेलवे स्टेशनों से देश के 12 प्रमुख रूटों पर 'होली स्पेशल' ट्रेनें चलाने का आग्रह किया है।

सांस्कृतिक मिलन के लिए सुगम यात्रा जरूरी

सांसद दीपक प्रकाश ने रेल मंत्री को भेजे अपने पत्र में इस बात पर जोर दिया कि होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक मिलन का उत्सव है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों लोग रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में रहते हैं। त्योहार के समय ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं होती। आम जनता की इस पीड़ा को दूर करना हमारी प्राथमिकता है। विशेष ट्रेनों के चलने से न केवल यात्रा सुरक्षित होगी, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

इन 12 प्रमुख रूटों पर स्पेशल ट्रेनों का प्रस्ताव

सांसद ने विशेष रूप से जिन शहरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाने का प्रस्ताव दिया है, उनमें उत्तर भारत में आरा, गोरखपुर, जयनगर, नई दिल्ली, जम्मू तवी, पश्चिम व मध्य भारत में सूरत, भोपाल, जोधपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई), दक्षिण भारत में हैदराबाद, दुर्ग एवं अल्लेप्पी शामिल है।

विकास अस्पताल के पास फायरिंग राहुल सिंह गैंग ने ली जिम्मेदारी

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में एक बार फिर से अपराधिक गिरोह ने पुलिस को चुनौती दी है। राहुल सिंह गैंग ने रांची में रंगदारी की धमकी और फिर फायरिंग की एक ओर वारदात को अंजाम दिया है। बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र के विकास हॉस्पिटल के पास बाइक सवार अपराधियों ने बुधवार को फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। हालांकि गोलीबारी की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गया।

रांची के सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि विकास चौक स्थित एक अस्पताल के पास फायरिंग की घटना हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अस्पताल प्रबंधन से पूछताछ के दौरान उन्होंने किसी भी गैंग के द्वारा रंगदारी या फिर धमकी देने की बात से इनकार किया है।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदातः सीसीटीवी कैमरे में साफ दिख रहा है कि मेसरा ओपी क्षेत्र में स्थित विकास हॉस्पिटल के पास बुधवार की शाम पांच बजे एक बाइक सवार अपराधी पंहुचा और अचानक हवाई फायरिंग करने लगा। इससे अफरा-तफरी मच गई।घटना की जानकारी मिलने के बाद बीआईटी मेसरा ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम उस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज निकाली है, जिसमें अपराधी के रामगढ़ रोड की ओर भागने की बात सामने आयी है।

निरामया अस्पताल में वर्ल्ड कैंसर डे पर जागरूकता शिविर

मेट्रो रेज

रांचीः लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट निरामया अस्पताल में वर्ल्ड कैंसर डे पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई से आए मशहूर फिल्म अभिनेता राजेश जैस उपस्थित रहे। श्री जैस ने अपने संबोधन में देशी जीवन शैली एवं खान पान को अपनाने की एंव फास्ट फूड से दूरिया बनाने की सलाह दी तथा कैंसर से बचने को कहा। सचिव अमित कुमार ने अभिनेता श्री जैस को निरामया अस्पताल का भ्रमण कराया। मुफ्त सेवाओं की जानकारी दी। सेवा भाव के लिए उन्होंने निरामया अस्पताल एवं लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट की काफी सराहना की ।जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंजना झा ने महिलाओ में होने वाले कैंसर जैसे मेमोग्राफी, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर तथा पेल्विक कैंसर के बारे मे होने के कारण एवं उससे बचाव के बारे मे उपस्थित लोगों को जानकारी दी। डॉ बीके गुप्ता ने भी मुख कैंसर तथा प्रोस्टेट कैंसर पर जानकारियां दी। अभिनेता श्र राजेश जैस का स्वागत एवं इस कार्यक्रम का संचालन सचिव लायन अमित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन लायंस ईस्ट निरामया अस्पताल के चेयरमैन लायन राजेश गुप्ता पवन ने किया। इन्होने कैंसर के बचाव के लिए प्लास्टिक डिसपोजल मे गर्म खाना एंव गर्म पेय से बचने के लिए उपस्थित लोगों के बीच आह्वान किया।

आज के इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष लायन दिवाकर राजगढ़िया,लायन नीरज कांत साहा, लायंस समर्पण से हेमा बंका, पूर्व अध्यक्ष सुमिता बेदी, संगीता जुल्का, लांयस निरामाया मे उपस्थित मरीज तथा लायन सदस्यों के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के लाभ उठाया।

गुप्तेश्वर नाथ दुबे की दो पुस्तकों का विमोचन, राज्यपाल ने किया लोकार्पण

संवाददाता

रांचीः लोक भवन में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल महोदय ने अवकाश प्राप्त सैनिक एवं लेखक गुप्तेश्वर नाथ दुबे द्वारा लिखित दो आध्यात्मिक एवं दार्शनिक पुस्तकों का लोकार्पण किया। विमोचित पुस्तकों में श्री रामचरितमानस के कुछ स्मरणीय प्रसंग और चिंतन, मंथन एवं अंतरबोध संकलन शामिल हैं। यह कार्यक्रम साहित्य, अध्यात्म और विचार-विमर्श का संगम बनकर सामने आया।

राज्यपाल के हाथों हुआ विमोचन

राज्यपाल महोदय ने दोनों पुस्तकों का विमोचन करते हुए कहा कि आध्यात्मिक और दार्शनिक साहित्य समाज को आत्मचिंतन की दिशा देता है।

उन्होंने लेखक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे ग्रंथ आज के समय में व्यक्ति को मानसिक संतुलन और नैतिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। राज्यपाल ने आशा जताई कि ये पुस्तकें पाठकों को आत्मिक शांति और जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करेंगी।

रामचरितमानस के चयनित प्रसंगों पर केंद्रित पहली पुस्तक

पहली पुस्तक श्री रामचरितमानस के कुछ स्मरणीय प्रसंग में गोस्वामी तुलसीदास रचित महाग्रंथ रामचरितमानस के उन प्रसंगों को केंद्र में रखा गया है, जो जीवन को दिशा देने वाले हैं। लेखक ने बताया कि रामचरितमानस की चौपाइयां, दोहे और छंद अपने-अपने स्थान पर पूर्ण और सारगर्भित हैं। यदि संपूर्ण ग्रंथ को हृदयंगम करना संभव न हो, तो भी उसके कुछ चयनित प्रसंग मानव जीवन की यात्रा को सही धाम तक पहुंचाने में सक्षम हैं। इसी तत्व-दर्शन के आधार पर इस पुस्तक की रचना की गई है।

चिंतन और आत्मबोध पर आधारित दूसरी कृति

दूसरी पुस्तक चिंतन, मंथन एवं अंतरबोध संकलन व्यक्तित्व के संपूर्ण और संतुलित विकास पर केंद्रित है। इसमें सिद्ध मनीषियों, महात्माओं, आचार्यों और समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों के विचारों को संकलित किया गया है। पुस्तक में धर्म, अध्यात्म, योग, ध्यान, प्राणायाम और मनोविज्ञान जैसे विषयों को सरल और व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है, जिससे पाठक आत्मबोध और आत्मविकास की दिशा में आगे बढ़ सकें।

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनिल सिंह (राष्ट्रीय मंत्री, भारतीय जनता मजदूर संघ), शोभा सिंह (पूर्व महिला जिला अध्यक्ष, भाजपा रांची), डॉ अरुण कुमार दुबे, डॉ प्रियंका दुबे, रिद्धि दुबे और हर्षित दुबे शामिल थे। सभी अतिथियों ने लेखक को इस साहित्यिक योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं और पुस्तकों को समाज के लिए उपयोगी बताया। यह विमोचन समारोह साहित्य और अध्यात्म के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

गिरिडीहः जिले में दो नाबालिग लड़कियों के साथ हुए दुष्कर्म मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। नाबालिग बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की जांच के लिए गिरिडीह पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया था। तकनीकी साक्ष्यों और श्वान दस्ता की मदद से मामले का खुलासा हो पाया। पुलिस द्वारा पकड़े गए मुख्य आरोपियों में गिरिडीह और धनबाद के युवक शामिल हैं। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से सात मोबाइल फोन और वारदात के वक्त पहने कपड़े बरामद किए हैं। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि मामला दर्ज होने के बाद टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया था। तकनीकी टीम और मानवीय इनपुट के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया।

मौसम की आंख मिचौनीः तीन जिलों पर कोहरे का साया, न्यूनतम तापमान में मामूली कमी

संवाददाता

रांचीः झारखंड में बसंत ऋतु की एंट्री के साथ ही मौसम की आंखमिचौनी शुरू हो गई है। सर्दी अब विदाई की राह पर है लेकिन रात और सुबह के वक्त ठंडी हवा चलने से गर्म कपड़ों की जरुरत महसूस की जा रही है। वहीं दिन में धूप के समय गर्मी महसूस होने लगी है। पिछले 24 घंटों में न्यूनतम पारा में मामूली कमी आई है लेकिन यह सामान्य तापमान से ज्यादा रहा है। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा है। मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से सिजनल बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। सर्दी खांसी के साथ साथ सांस लेने में दिक्कत जैसी बीमारियां देखने को मिल रहीं हैं।

गुमला और हजारीबाग का पारा 10 डिग्री के नीचे

मौसम केंद्र रांची की ओर से 5 फरवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुमला और हजारीबाग में ठीक ठाक सर्दी पड़ रही है। इन जिलों का न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। शेष सभी जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से 15.7 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रमुख शहरों में रांची का न्यूनतम पारा 13.4 डिग्री, जमशेदपुर का 15.7 डिग्री, बोकारो का 12.6 डिग्री, डालटनगंज का 11.1 डिग्री और सरायकेला का 13.9 डिग्री रहा है। वहीं कोडरमा का न्यूनतम पारा 15.4 डिग्री, खूंटी का 11.2 डिग्री, लातेहार का 12.1 डिग्री, लोहरदगा का 11.0 डिग्री, पाकुड़ का 11.5 डिग्री और सिमडेगा का 13.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

चाईबासा में पड़ रही सबसे ज्यादा गर्मी

अधिकतम तापमान की बात करें तो चाईबासा पिछले कई दिनों से सबसे ज्यादा गर्म जिला साबित हो रहा है। पिछले 24 घंटों में चाईबासा का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। 4 फरवरी का चाईबासा का अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री था। तापमान के मामले में 31.8 डिग्री के साथ सरायकेला जिला दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा जमशेदपुर में 30.1 डिग्री, बोकारो में 29.1 डिग्री, पाकुड़ में 29.1 डिग्री, खूंटी में 28.6 डिग्री, डालटनगंज में 27.6 डिग्री, देवघर में 27.4 डिग्री, लोहरदगा में 26.8 डिग्री, रांची में 26.6 डिग्री, गुमला में 26.3 डिग्री, कोडरमा में 25.9 डिग्री, हजारीबाग में 24.8 डिग्री जबकि लातेहार में सबसे कम 22.9 डिग्री रहा है।

मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 5 फरवरी को तीन जिलों में सुबह के वक्त घना कोहरा देखने को मिला। इनमें गढ़वा, पलामू और चतरा जिला शामिल हैं। इन जिलों की विजिबिलिटी 50 मीटर से 200 मीटर तक रही है। आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में सुबह के वक्त हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान है। हालांकि तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है। सुबह के वक्त ठंडी हवा चलने की वजह से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

महाशिवरात्रि पर पहाड़ी मंदिर से निकलेगी भव्य शिव बारात, कानपुर की झांकियां बनेंगी आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

रांचीः महाशिवरात्रि के पावन अवसर को लेकर श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति, पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार की एक महत्वपूर्ण बैठक पहाड़ी मंदिर परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता समिति के संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल ने की। बैठक में महाशिवरात्रि के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

15 फरवरी को निकलेगी शिव बारात

बैठक में अध्यक्ष नंद किशोर सिंह चंदेल ने बताया कि इस वर्ष भी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार से सबसे पहले शिव बारात निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि शिव बारात हर साल श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का बड़ा केंद्र होती है।

कानपुर से आएंगी आकर्षक झांकियां

बैठक के दौरान झांकियों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। बताया गया कि इस बार कानपुर से विशेष झांकियां मंगाई जाएंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगी। ये झांकियां शिव विवाह और धार्मिक कथाओं पर आधारित होंगी।

8 फरवरी को मेहंदी-हल्दी कार्यक्रम

समिति द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि 8 फरवरी को पहाड़ी मंदिर स्थित महाकाल मंदिर में दिन के 1 बजे से पहाड़ी बाबा का मेहंदी-हल्दी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

महाशिवरात्रि कब मनाई जाएगी?

इस वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी को शाम 4:23 बजे शुरू होकर 16 फरवरी की शाम 5:09 बजे समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार महाशिवरात्रि पर रात्रि के चारों प्रहर में शिव पूजन का विधान है। इसी कारण 15 फरवरी को ही काशी सहित पूरे क्षेत्र में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा।

चार प्रहर का पूजा मुहूर्त

फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि प्रारंभः 15 फरवरी 2026 दिन रविवार की शाम 04 बजकर 23 मिनट पर

फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का समापनः 16 फरवरी दिन सोमवार की शाम 05 बजकर 09 मिनट पर

निशिता काल पूजा समय : 15 फरवरी 2026 की रात 11 बजकर 38 मिनट से 12 बजकर 29 मिनट

लोक भवन उद्यान में उमड़ा जनसैलाब, तीसरे दिन 12,711 आम लोगों ने किया भ्रमण

संवाददाता

रांचीः राज्यपाल के निर्देश पर लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण के लिए 2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026 तक खोला गया है। उद्यान के खुलने के बाद से ही आमजन में इसे देखने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में आज तीसरे दिन कुल 12,711 नागरिकों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया।

सुबह से ही लोक भवन परिसर में लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। परिवार, बच्चे, बुजुर्ग एवं युवा बड़ी संख्या में उद्यान की हरियाली, सुव्यवस्थित पथों, फूलों की आकर्षक क्यारियों और शांत वातावरण का आनंद लेते नजर आए। कई आगंतुकों ने उद्यान को प्राकृतिक सौंदर्य और स्वच्छता का बेहतरीन उदाहरण बताया।

लोक भवन उद्यान का भ्रमण समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। भ्रमण के लिए इच्छुक नागरिक लोक भवन के गेट संख्या 2 से प्रवेश कर सकते हैं, जहां सुरक्षा जांच की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा कारणों से आगंतुकों को 1 बजे तक प्रवेश करने की अनुमति दी जा रही है, ताकि सभी लोग निर्धारित समय के भीतर आराम से उद्यान का भ्रमण कर सकें।

प्रशासन की ओर से आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल, स्वयंसेवक तथा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे उद्यान परिसर में स्वच्छता बनाए रखें, पौधों और संरचनाओं को नुकसान न पहुंचाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

लोक भवन उद्यान का यह भ्रमण कार्यक्रम न केवल आम नागरिकों को प्रकृति के करीब आने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि राज्य की प्रशासनिक विरासत और सौंदर्य से भी उन्हें परिचित करा रहा है। आगामी दिनों में भी बड़ी संख्या में लोगों के उद्यान भ्रमण के लिए पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बजट 2026: कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नए युग का आगाज, दूरदर्शी पहल

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश कर एक नया इतिहास रचा। यह उनका नौवां बजट था और स्वतंत्र भारत में पहली बार बजट रविवार के दिन पेश किया गया। 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ इस बजट में आर्थिक विकास और क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। इस बार के बजट का सबसे आकर्षण का केंद्र रही 'ऑरेंज इकोनॉमी', जिसके लिए की गई घोषणाएं देश के लाखों कंटेंट क्रिएटर्स के भविष्य को नई दिशा देंगी।ऑरेंज इकोनॉमी का तात्पर्य उस रचनात्मक क्षेत्र से है जिसमें एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और डिजिटल कंटेंट शामिल हैं।वित्त मंत्री ने रेखांकित किया कि 2030 तक इस सेक्टर को लगभग 20 लाख कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी। भारत को ग्लोबल क्रिएटिव हब बनाने के लिए सरकार ने युवाओं को डिजिटल कौशल से लैस करने का संकल्प लिया है। दिल्ली-एनसीआर के युवा वैज्ञानिक और 'सेलेस्टियल एयरोस्पेस' से जुड़े श्रेयांस जैन इस बजट को उत्साही शोधकताओं के लिए एक बड़ा उपहार मानते हैं। श्रेयांस और उनके आईआईटी सहयोगी एक क्रांतिकारी 'बैलून-असिस्टेड रॉकेट लॉन्च सिस्टम' पर काम कर रहे हैं। एक विशाल गुब्बारा रॉकेट को ऊपरी वायुमंडल (जहाँ वायु प्रतिरोध न्यूनतम होता है) तक ले जाता है। वहां से रॉकेट प्रज्वलित होता है, जिससे ईंधन की भारी बचत होती है। इस विधि से पेलोड ले जाने की क्षमता 2-3 गुना तक बढ़ जाती है। बजट के सहयोग से अब ऐसे कई रिसर्च प्रोजेक्ट्स को नई गति मिलेगी। बजट में ऑरेंज इकोनॉमी को 'क्रिएटिव जॉब्स का नया इंजन' माना गया है। स्किल गैप को कम करने के लिए सरकार ने निम्नलिखित ठोस कदम उठाए हैं: कंटेंट क्रिएटर लैब्सः मुंबई स्थित 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' (क्क्ळ) के सहयोग से देश के 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में अत्याधुनिक लैब्स स्थापित की जाएंगी। स्किल डेवलपमेंटः ये लैब्स छात्रों को वीडियो प्रोडक्शन, एडिटिंग, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और फ (एक्सटेंडेड रियलिटी) जैसे आधुनिक टूल्स की ट्रेनिंग देंगी। डिजाइन संस्थानः पूर्वी क्षेत्र में एक नया 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड डेवलपमेंट' स्थापित किया जाएगा, जो विजुअल डिजाइनिंग के क्षेत्र में क्रांति लाएगा। कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक और महत्वपूर्ण घोषणा 'डिजिटल नॉलेज ग्रिड' का निर्माण है। यह ग्रिड भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संपत्तियों का डिजिटल दस्तावेजीकरण करेगा। यह क्रिएटर्स के लिए एक 'ओपन प्लेटफॉर्म' होगा, जहाँ से वे प्रामाणिक डेटा प्राप्त कर उच्च गुणवत्ता वाली डॉक्यूमेंट्रीज और शैक्षिक वीडियो बना सकेंगे। साथ ही, 20 प्रतिष्ठित स्थलों पर 10,000 टूरिस्ट गाइड्स को अपस्किल किया जाएगा, जिससे कंटेंट क्रिएटर्स और पर्यटन क्षेत्र के बीच एक नया तालमेल बनेगा। बजट में रचनात्मक क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के लाभ दिए गए हैं:

लोकलुभावन की बजाय आर्थिक सेहत ठीक करने वाला बजट

अंग्रेजी में एक मुहावरा है, टू रॉब पीटर टू पे पॉल। हिंदी में इसका मतलब होगा, पीटर से लेकर पॉल को देना। दुनिया की हर सरकारों के बजट के लिए इस मुहावरे का बखूबी इस्तेमाल होता है। मीडिया भी हर बजट के दिन एक खबर जरूर बनाता है, रूपया आएगा कहां से और जाएगा कहां। इसका भी मतलब इस मुहावरे जैसा ही। बजट प्रबंधन में दुनियाभर की सरकारें एक व्यक्ति या स्रोत से लेकर दूसरे को उपलब्ध कराती रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हर बजट ऐसा ही होता है। लोकसभा में साल 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट को इस मुहावरे से कुछ हद तक दूर रखा जा सकता है। बजट प्रस्तावों की मीमांसा होती रहेगी, लेकिन फौरी तौर पर देखें तो कुछ चीजें साफ होती हैं। इस बजट के बारे में कह सकते हैं कि यह लोकलुभावन नहीं है। साल 2024-25 और 2025-26 के बजट को देखें तो उन दिनों मोदी सरकार पर जनता से किए गए वायदों को पूरा करने का दबाव था। इसलिए बीते दोनों बजट में लोकलुभावन घोषणाएं की गईं। वैसे भारतीय राजनीति की रवायत बन चुकी है कि ऐन चुनावों से पहले आने वाले बजट प्रस्तावों में उस राज्य विशेष जहां चुनाव होने हैं, के लिए लुभावनी घोषणाओं की बाढ़ आ जाती है। कुछ ही महीनों बाद पांच महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल पर बीजेपी जहां कब्जे की कोशिश में दिन-रात एक किए हुए हैं, वहीं प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु में भी अपनी ताकतवर उपस्थिति जताने के लिए जोर लगाए हुई है। तमिलनाडु के पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुद्दचेरी में भी चुनाव होने हैं। इसी तरह बीजेपी की कोशिश गॉडह्लस ओन कंट्री यानी भगवान के अपने घर केरल में कमल का फूल खिलाने की है। जबकि असम में तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए मुतमइन है। राजनीतिक रवायत के मुताबिक, मौजूदा बजट प्रस्तावों में इन राज्यों के लिए घोषणाओं की बाढ़ आनी चाहिए थी। लेकिन तमिलनाडु से आने वाली निर्मला सीतारमण ने अपने नौंवे बजट में ऐसा कुछ भी नहीं किया। इस लिहाज से यह बजट भारतीय राजनीति का नया चेहरा प्रस्तुत कर रहा है।

इसे भी पढ़ेंः ड्रीम बजट 2026-27ः विकसित भारत के निमित्त शहरी विकास आवंटन में दृष्टिगोचर हुआ व्यापक बदलाव

इस बजट के बारे में कहा जा सकता है कि यह लोकलुभावन घोषणाओं की बजाय संरचनात्मक सुधारों, विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इस बजट में जिस तरह शी मार्ट के जरिए महिला उद्योगपतियों को प्रोत्साहन देने की बात है, बेकार और अनुपयोगी हो चुके कानूनों को बदलने के लिए समिति बनाने का का प्रस्ताव है या सात हाईस्पीड रेल कॉरीडोर बनाने की बात है या फिर ग्रामीण बजट को बढ़ावा दिया गया है, या फिर मनरेगा की जगह पर आए नए कानून जी राम जी को जबरदस्त प्रोत्साहन दिया गया है, उस वजह से यह बजट अलग स्वरूप लिए हुए दिख रहा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने इसे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को सशक्त बनाने वाला बजट बताया है। हालांकि पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री पी चिदंबरम् मानते हैं कि इस बजट प्रस्ताव में सरकार चीन और अमेरिकी दबाव में दिख रही है। लेकिन विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में $133 बिलियन का इंफ्रास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। इसके साथ ही ब्लूमबर्ग ने बजट में 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स को ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए बड़ा संकेत माना है। दुनिया की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इन बजट प्रस्तावों को लेकर कहा है कि भारत के इस बजट में वित्तीय अनुशासन बनाम विकास का द्वंद्व दिख रहा है। एजेंसी कहती है कि बजट प्रस्ताव में मोदी सरकार ने 4.3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। इसी तरह उसने बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाया। मोदी सरकार के ये कदम नए बदलाव के प्रतीक हैं। ब्रिटेन से प्रकाशित होने वाले प्रसिद्ध आर्थिक अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने मोदी सरकार के बजट को लेकर कहा है कि यह ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत का स्थिर कदम है।

कुमाऊं में सांस्कृतिक लोक उत्सव है होली

ऋतुराज वसंत को यौवन का सूचक माना जाता है। वसंत ऋतु के आते ही समूची प्रकृति का यौवन एकाएक खिल उठता है। प्रकृति रंग -बिरंगी हो जाती है। विशिष्ट सुगंध और रंग लिए फूल खिलने लगते हैं। देश के अलग - अलग हिस्सों में लोग अपने -अपने अंदाज में वसंतोत्सव के रंग के आगोश में डूब जाते हैं। भारत के कोने -कोने में राग -रंग के उत्सव होली की धूम मच जाती है।

प्रयाग पाण्डे

हिमालय की गोद में बसा कुमाऊं अंचल न केवल अपने नैसर्गिक सौंदर्य, सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के लिए भी विख्यात है, बल्कि यहां मनाई जाने वाली होली का भी अंदाज निराला है। यही वजह है कि कुमाउंनी होली की विशिष्ट पहचान है। अपना अनोखा रंग है। यहां की होली तन को ही नहीं रंगती, मन को भी उमंग से लबालब भर देती है। कुमाऊं की होली में आंचलिक विशिष्टता है। अनूठा सौंदर्य बोध है। रंग, राग और रागनियों का अदभुत समावेश है। ऋतुराज वसंत को यौवन का सूचक माना जाता है। वसंत ऋतु के आते ही समूची प्रकृति का यौवन एकाएक खिल उठता है। प्रकृति रंग -बिरंगी हो जाती है। विशिष्ट सुगंध और रंग लिए फूल खिलने लगते हैं। देश के अलग - अलग हिस्सों में लोग अपने -अपने अंदाज में वसंतोत्सव के रंग के आगोश में डूब जाते हैं। भारत के कोने -कोने में राग -रंग के उत्सव होली की धूम मच जाती है।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग - अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज जुदा है। स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बनिस्बत कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलहदा है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमने लगती हैं। कुमाऊं की होली के मायने हुड़दंग नहीं है। बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। लोक - मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद -प्रमोद और हँसी - ठिठोली का अदभुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय- वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं। गणेश, शिव, पार्वती की स्तुति, राधा -कृष्ण और राम - सीता द्वारा खेले जाने वाले रंग का वर्णन है। परदेस गए पति की प्रतीक्षा करती नवयौवना की भावनाएं हैं। देवर-भाभी के बीच की हंसी -ठिठोली है। कुमाउंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा -बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती - जुलती हुए भी कुमाउंनी होली कई मायनों में अनोखी है। कुमाउंनी होली में राग - रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है। होली के पदों की सामूहिक अभिव्यक्ति, नृत्य और संगीत कुमाऊं की होली को देश के दूसरे हिस्से की होलियों से अलग करती है। कुमाऊं में होली के तीन रूप प्रचलित हैं। बैठकी होली, खड़ी होली और महिलाओं की होली। यहां पूस के महीने के पहले इतवार से बैठकी होली शुरू हो जाती है। कुमाउंनी बैठकी होली में ताल और रागों का गहरा ताल्लुक है। बैठकी होली में पूस के पहले रविवार से वसंत पंचमी तक भक्ति परख होलियां गाई जाती हैं। इन्हें 'निर्वाण' की होली कहा जाता है। निर्वाण की होली का प्रारंभ गणेश जी की स्तुति से होता है। ' गण पति को भज ले, रसिक वह आदि कहावे।' इसके बाद शिव,राम,कृष्ण और दूसरे देवी -देवताओं की स्तुति की जाती है- ' भव भंजन गुण गाऊं, मैं अपने राम को रिझाऊं।' या ' शिव सुमरिन जिन जाना, सोई तन ब्रह्म समाना।' होली के गीतों में देवताओं की दार्शनिकता और रहस्यात्मकता का वर्णन अधिक होता है- 'क्या जिंदगी का ठिकाना, फिरत मन क्यों रे भुलाना।' निर्वाण की होलियों में आध्यात्मिकता और धार्मिक भावों की प्रधानता होती है- 'वन को चले दोऊ भाई, उन्हें समझावत नाहिं।'

कुमाउंनी बैठकी होली का भी अपना अनूठा अंदाज है। यह शास्त्रीय आधार के रागों को गाने की एक पारंपरिक शैली है। बैठकी होली में हारमोनियम,तबला, ढोलकी, मजीरा और दूसरे वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल होता है। इस होली की खासियत यह है कि इसमें शास्त्रीय गायन की अनुशासनात्मकता होती है। बैठकी होली में कुछ विशिष्ट और रसिक लोग ही हिस्सा लेते हैं। राग - रागनियों पर आधारित होने बावजूद बैठकी होली का अंदाज प्रकारांतर में सामूहिक गायन जैसा ही होता है। बैठकी होली में राग की शुद्धता से ज्यादा भावाभिव्यक्ति और जन - रंजनता को वरीयता दी जाती है। खास बात यह है कि बैठकी होलियों को गाने वाले ज्यादातर लोग शास्त्रीय संगीत के जानकार नहीं होते हैं। शास्त्रीय संगीत की बुनियादी जानकारी नहीं रखने वाले लोग भी राग - रागनियों पर आधारित होलियां बखूबी गाते हैं। होली गायन की यह शैली श्रवण परंपरा से पीढ़ी -दर- पीढ़ी चलती आ रही है। बैठकी होली राग - रागनियों के आधार पर चार अलग - अलग समयचक्रों में विभाजित है। जैसे रात्रि के प्रथम पहर में कल्याण,यमन - कल्याण,श्याम -कल्याण, केदार, हमीर, विहाग और रात्रि के दूसरे पहर में देश, विहाग, काफी,जंगला काफी, तिलंग, खम्माज, झिझोटी, बागेश्री, शहना बगैरह रागों का गायन किया जाता है। तीसरे पहर राग- सहाना, बहार जैजैवन्ती, कान्हड़ा और रात्रि के चौथे पहर सुबह के वक्त परज, जोगिया, सोहनी और भैरवी गाई जाती है। दोहपर में राग - पहाड़ी,सुहा और दिन के तीसरे पहर में राग पीलू और भीम पलासी गाए जाते हैं। निर्वाण की होलियों की विषय -वस्तु आमतौर पर देवी - देवताओं से ही जुडी होती है- 'मालिक सीता- राम, सोच मन काहे को करे।'

कुमाऊं के अनेक क्षेत्रों में रामनवमी तक होलियां गाई जाती हैं। काली कुमाऊं और सोर घाटी में रामनवमी तक निर्वाण की होलियां गाए जाने की परंपरा रही है। वसंत पंचमी से होली का रंग कुछ गाढ़ा हो जाता है। इसके बाद होली के गीतों में सौंदर्य के साथ विरह, वेदना, भावुकता और आकुलता भी झलकने लगती है। होली के ज्यादातर गीत सामाजिक यथार्थ को व्यक्त करते हैं । 'आयो री फागुन मास,पिया बिन हूं मैं अकेली।' या 'फागुन के दिन चार सखी री, अपनो बलम मोहे माँग हूं दे री।' परदेस गए प्रियतम की राह देखते थक चुकी प्रेयसी का सब्र जबाव देने लगता है - 'जा रे कान्हा जा, संदेशा मोरा पियु तक ले जा। आवन कह गए, अजहूं न आए, फागुन मोरा यूं ही बीती जाए।' या 'बिरहन को रंग फीको, कहूं का से मन की बतियां।' जिनके प्रियतम घर में हैं,उनको कहा जाता है - 'जावो बलम जहां रैन बिताई। ना मोसे बोलो, ना घुंघुरू खोलो, ना छुवो नरम कलाई।' या 'नथुली में उलझेंगे बाल, सिपहिया काहे जुल्फे बढ़ाए।'

मासिक धर्म और सैनिटरी पैडः स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

भारत जैसे देश में जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

भारत जैसे देश में जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल कागजों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे जमीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है। अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में ह्लसबके लिए शिक्षाह्व के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं या यह केवल नीतिगत दस्तावेजों तक सीमित नारा बनकर रह गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं।

केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है।न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं का अभाव महिलाओं और किशोरियों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। जब किसी छात्रा को असुरक्षित और अवैज्ञानिक साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़े तो यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन को केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं करता बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित करता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को तोड़ता है कि सैनिटरी पैड या स्वच्छ शौचालय कोई ह्लअतिरिक्त सुविधाह्व है। वास्तव में ये आवश्यक अधिकार है, जिनके बिना न तो स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकता है और न ही शिक्षा का अधिकार सार्थक हो सकता है। इस दृष्टि से अदालत का यह आदेश एक सामाजिक चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारत में न्यायिक आदेशों की सबसे बड़ी चुनौती उनके प्रभावी क्रियान्वयन में दिखाई देती है। कई बार नीतियाँ और दिशा-निर्देश घोषणाओं और फाइलों तक सीमित रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं इस आशंका को ध्यान में रखते हुए कहा है कि यह निर्णय केवल अदालती आदेश या कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका वास्तविक असर स्कूलों और छात्राओं के जीवन में दिखाई देना चाहिए। सरकारी और निजी, शहरी और ग्रामीण-सभी स्कूलों में इन निदेशों को समान रूप से लागू करना अनिवार्य है। इस संदर्भ में निजी स्कूलों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अक्सर निजी शिक्षण संस्थान स्वयं को सरकारी योजनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व से अलग मान लेते हैं। अदालत का आदेश इस सोच को स्पष्ट रूप से खारिज करता है और बताता है कि बच्चों के अधिकार के मामले में सरकारी और निजी का भेद स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि निजी स्कूल उच्च शुल्क वसूल सकते हैं तो वे छात्राओं की बुनियादी स्वच्छता और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। यह स्वीकार करना होगा कि केवल आदेश और नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक ऐसी पहल अधूरी ही रहेंगी। मासिक धर्म को लेकर फैली चुप्पी, अंधविश्वास और शर्म की भावना इस समस्या को और जटिल बनाती है। स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन केवल पैड वितरण तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि जागरूकता, संवाद और वैज्ञानिक जानकारी को भी शिक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए। लड़कों को भी इस चर्चा से अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि संवेदनशील और समान समाज की नींव तभी पड़ती है, जब समझ साझा होती है। केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह आदेश केवल अनुपालन की बाध्यता नहीं बल्कि सुधार का अवसर है। पर्याप्त बजट आवंटन, प्रभावी निगरानी तंत्र और स्पष्ट जवाबदेही तय किए बिना यह पहल सफल नहीं हो सकती। अदालत द्वारा निर्धारित समय-सीमा यह स्पष्ट संकेत देती है कि इस मुद्दे को अब और टाला नहीं जा सकता।

अंततः यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन उसके सबसे कमजोर वर्ग के साथ किए गए व्यवहार से होता है। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधाएँ देना कोई उपकार नहीं बल्कि एक संवैधानिक दायित्व है।

हनुमान चालीसा सें बदल देंगी आपकी लाइफ

हनुमान जी को सर्मित है। इस दिन भक्त उनके दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं और हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। कुछ लोग तो मंगलवार का व्रत रखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, हनुमान जी की पूजा करने से भक्त लगभग हर संकट से मुक्त हो जाते हैं। माना जाता है कि हर रोज हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई तरह का के लाभ प्राप्त होते हैं। हनुमान चालीसा में कुछ ऐसी चौपाइयां हैं, जिनके जाप से कई तरह की बाधाएं खत्म हो जाती हैं। इस लेख में हम आपको हनुमान चालीसा की 5 चमत्कारिक चौपाइयों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका रोजना जाप करने से धन की प्राप्ति होती है और बिगड़े काम भी बनते हैं। हनुमान चालीसा के चमत्कारिक चौपाई नाशै रोग हरै सब पीड़ा

हनुमान चालीसा में एक चौपाई है- नाशै रोग हरै सब पीड़ा जपत निरंतर हनुमत बीरा। मान्यता है कि इस चौपाई का रोजाना जाप करने से बड़ी या लंबी बीमारी से राहत मिलती है। इसके अतिरिक्त कार्यों में आ रही बाधाएं भी रुक जाती है। इससे आर्थिक उन्नति होगी। इसके साथ ही सेहत भी सही रहेगा, तो आपका मन काम, पढ़ाई में लगेगा। इससे आपकी ग्रोथ होगी।

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता

दूसरी चौपाई है- अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, अस बर दीन जानकी माता। इस चौपाई का अर्थ है कि आपको माता श्री जानकी से ऐसा वरदान मिला हुआ है, जिससे आप किसी को भी आठों सिद्धियां और नौ निधियां दे सकते हैं। यह चौपाई बेहद ही चमत्कारिक है। इस चौपाई के जाप करने से आपको परेशनियां से लड़ने में शक्ति मिलती है। इसका जाप आप ब्रह्म मुहूर्त में स्नान के बाद कर सकते हैं। धन प्राप्ति से लेकर जिस भी विशेष कामना के साथ आप इस चौपाई का जाप करेंगे वह तुरंत पूरा होगा।

विद्या बाण गुणी अति चातुर

तीसरी चौपाई है- विद्या बाण गुणी अति चातुर राम काज करिबे को आतुर। इस चौपाई का जाप करने से व्यक्ति को ज्ञान, बुद्धि और विवेक प्राप्त होता है। खासकर छात्रों को इस चौपाई का नियमित तौर पर जाप करना चाहिए। सुबह स्नान करने के बाद इस चौपाई का 108 बार जाप कर सकते हैं।

चौथी चौपाई है- भीम रूप धरि असुर संहार रामचंद्र के काज संवारे। हनुमान चालीसा की यह चौपाई कारगर साबित होगी। इस चौपाई का रोजना जाप करें।

टिप्स

बेअसर हो रही हैं एंटीबायोटिक्स

क्या आप एंटीबायोटिक्स का सेवन करते हैं? क्या आपके शरीर पर एंटीबायोटिक्स काम नहीं कर रही हैं? शरीर में बार-बार इंफेक्शन होने लगता है और ठीक भी नहीं हो रहे हैं। यह एंटीबायोट?क?स रेजस्टिंस की समस्या हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि यह आजकल एक वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इसलिए ध्यान रहे कि बिना डॉक्टर की सलाह के या बिना जरुरत के एंटीबायोटिक्स लेने से दवा बैक्टीरिया पर काम नहीं करती है। दिनों-दिन यह समस्या भारत में बढ़ती जा रही है। खासतौर पर सेल्फ मेडिकेशन से बचना चाहिए और डॉक्टर से संपर्क करना सबसे बेहतर होता है। ऐसे में आप कुछ फूड्स को डाइट में शामिल करने से इम्यूनिटी मजबूत कर सकते हैं और एंटीबायोटिक्स की जरुरत को घटा सकते हैं। आइए आपको ऐसे सुपरफूड्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप जरुर सेवन करें।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें : अपनी डाइट में दही, छाछ, कांजी, अचार जैसे प्रोबायोटिक्स को जरुर शामिल करें। प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इनके नियमित सेवन से आंतों में लाभकारी बैक्टीरिया की संख्या बढ़ती है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रीबायोटक्सि का सेवन करें

इसके अलावा, आप अपनी डाइट में केला, सेब, प्याज, लहसुन, ओट्स जैसे प्रीबायोटिक्स को डाइट का हिस्सा बनाएं। इनके सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है, क्योंकि प्रीबायोटिक्स शरीर में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करते हैं जिससे बीमारियों से बचाव होता है।

वटिामनिसी रचि फूड्स खाएं : अपनी डाइट में आंवला,अमरूद और नींबू जैसे विटामिन उ से भरपूर सुपर फूड को शामिल करें। विटामिन उ युक्त चीजों का नियमित सेवन करने से सर्दी-जुकाम और अन्य संक्रमणों से बचाव में

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

अपराध नियंत्रण व विधि-व्यवस्था को लेकर अपराध नियंत्रण गोष्ठी

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम पर दें विशेष ध्यान : एसडीपीओ

संवाददाता

साहिबगंजः अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को लेकर गुरुवार को एसडीपीओ कार्यालय में अपराध नियंत्रण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की इस मौके पर उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस निरीक्षकों के साथ अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और ठंड के मौसम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की।एसडीपीओ किशोर तिर्की ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा कार्यक्रम को हर हाल में सफल बनाया

जाए। इसके लिए सभी थाना क्षेत्रों में लगातार वाहन जांच अभियान चलाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश घटनाएं चालकों की लापरवाही के कारण होती हैं।इसलिए लोगों को यह समझाना जरूरी है कि छोटी सी गलती भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस की भूमिका पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे हालात में पुलिस को सतर्क रहकर सड़क पर विशेष निगरानी बनाए रखनी चाहिए इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में चोरी की घटनाओं में भी इजाफा देखा जाता है। इसलिए रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाया जाए। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और समय पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया ।गोष्ठी में मुख्य रूप से नगर थाना प्रभारी सह नगर प्रभाग अंचल पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाडी थाना प्रभारी शशि सिंह,मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडे, मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव, बोरियो

धारदार हथियार से हमले में युवक की हालत नाजुक

पूर्वी सिंहभूम : साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत काशीडीह लाइन नंबर-1 में गुरुवार तड़के एक युवक पर धारदार हथियार (चापड़ .) से जानलेवा हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस हमले में 21 वर्षीय प्रेम पासवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।
घटना के संबंध में घायल युवक के मामा बबन पासवान ने बताया कि बुधवार देर शाम प्रेम की मां का मोबाइल चार्जर और कुछ नगदी चोरी हो गई थी। इस चोरी का आरोप पड़ोस में रहने वाले राहुल पासवान पर लगाया गया था। इसी बात को लेकर प्रेम और राहुल के बीच पहले गाली-गलौज हुई थी और विवाद बढ़ गया था। आरोप है कि इसी रंजिश का बदला लेने के लिए गुरुवार सुबह राहुल पासवान अपने कुछ सहयोगियों के साथ प्रेम के घर के पास पहुंचा और उस पर चापड़ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में प्रेम गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 : उपायुक्त ने मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण,कहा-

सारी तैयारियां राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाये

संवाददाता

साहिबगंजःनगर पालिका आम निर्वाचन 2026 की विधिवत घोषणा के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में बनाए जा रहे स्ट्रांग रूम एवं प्रस्तावित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतगणना से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग एवं आवागमन व्यवस्था की समीक्षा

की। साथ ही मतगणना के दिन सुचारु संचालन हेतु पर्याप्त कार्मिकों की प्रतिनियुक्ति, पास प्रणाली, मीडिया कॉर्नर व मतगणना एजेंटों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने यह भी कहा कि सभी तैयारियां भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं।ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कु सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कटहलबाड़ी भट्टा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षो में हुई मारपीट की घटना एक गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंजः राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 3 फरवरी 2026 को सुबह 10 ।30 बजे ऐसी सूचना प्राप्त हुई कि कटहलबाड़ी भट्टा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षो में मार पीट की घटना हुई थी जिसमें जख्मी कार्तिक मंडत पिता स्व० राम मंडल की मृत्यु इलाज के दौरान अनुमंडलीय अस्पतात राजमहत हो गई। इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी गई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहिबगंज द्वारा अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर त्वरित करर्वाई करते हुए कांड के प्राथमिकी अभियुक्त सुचिन घोष, तपन घोष व झकसु घोष तिनों का पिता स्व तेनू घोष,

साकिन कटहलबाड़ी भट्टा, थाना राधानगर जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में राधानगर थाना कांड संख्या 35/2026, 03 फरवरी धारा 190/191(2)/193(3)/115(2) /117(2) /103(1) /74/352, बीएनएस दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त को 04 फरवरी 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों के विरूद्ध छापेमारी की जा रही है। मौके पर छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक राजमहल प्रभाग राजीव रंजन, थाना प्रभारी पुअनि अमर कुमार मिंज राधानगर थाना, थाना प्रभारी पुअनि हसनैन अंसारी राजमहल थाना, पुअनि शिवानंद प्रसाद, सअनि सुनिल कुमार मेहता, सअनि मनोज कुमार पासवान, सशस्त्र बल, मौजूद थे।

राजनीति करना मेरा लक्ष्य नहीं बल्कि अपने वार्ड की सेवा और विकास करना है: पंकज

- ✔ वार्ड 14 से पार्षद पद के लिए अपना नामांकन किया दाखिल

संवाददाता

साहिबगंज : मां बायसी के असीम आशीर्वाद और आप सभी बड़े-बुजुर्गों के स्नेह से पंकज मंडल वार्ड नंबर 14 से पार्षद पद हेतु अपना नामांकन दाखिल किया है।मेरा लक्ष्य राजनीति नहीं बल्कि अपने वार्ड की सेवा और विकास करना है। आप सभी का साथ और समर्थन ही मेरी असली ताकत है। आइए, मिलकर अपने वार्ड को आदर्श वार्ड बनाएँ। यह बल्कि हमारे वार्ड को और बेहतर, स्वच्छ और विकसित बनाने की दिशा में

मेरा पहला कदम है। मुझे पद की नहीं, बल्कि आप सभी की सेवा करने के अवसर की अभिलाषा है।मेरी आप सभी बुजुर्गों, युवाओं और माताओं-बहनों से विनम्र अपील है कि मुझे अपना बहुमूल्य आशीर्वाद और सहयोग प्रदान करें ।ताकि हम मिलकर अपने वार्ड का विकास कर सकें। इस सबंध पंकज मंडल ने कहा की खासकर वार्ड में नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्था,पेयजल व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम करूंगा।साथ ही जरूरतमंद लोगों को सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में अग्रसर रहूंगा।उन्होंने कहा कि अगर वार्ड की जनता हम पर भरोसा कर एक बार हमें मौका देती है तो आने वाले समय में मैं वादा और वचन देता हूं कि अपने वादे पर खड़ा उतरूंगा और लोगों के बीच रहकर वार्ड की सफाई व्यवस्था और वार्ड की सौंदर्याकरण के कार्य की दिशा में बढ़ चढ़ के भाग लूँगा।

नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी बढ़ी

- ✔ अंतिम दिन वार्ड संख्या 05 से रुसाना खातून ने की किया नामांकन,

संवाददाता

साहिबगंजः नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर जिले में सियासी माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। नामांकन के अंतिम दिन वार्ड संख्या 05 से रुसाना खातून वार्ड पार्षद पद के लिए बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ अनुमंडल कार्यालय पहुँचकर निवार्ची पदाधिकारी बासुकिनाथ टुडू के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।आपको बता दूं की रुसाना खातून की माँ इस वार्ड से वार्ड पार्षद रह चुकी है।वार्ड पार्षद रहते हुए इन्होने क्षेत्र मे कई सारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया। इस दौरान रुसाना खातून ने जनता से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें अवसर मिलता है तो वे नगर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, स्वच्छता, पेयजल,सड़क और रोशनी व्यवस्था को प्राथमिकता देंगे।

गीता देवी ने वार्ड 14 से दाखिल किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंजः नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 से गीता देवी ने नामांकन के अंतिम दिन निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया।नामांकन दाखिल करने के उपरांत गीता देवी ने कहा कि अगर वार्ड की प्यारी और भोली भाली जनता हमें जन सेवा करने का अवसर दे तो मैं वार्ड की क्षेत्र की नक्शा बदल दूंगी।खासकर वार्ड में नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्था,पेयजल व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम करूंगी।साथ ही जरूरतमंद लोगों को सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में अग्रसर रहूंगी।उन्होंने कहा कि अगर वार्ड की जनता हम पर भरोसा कर

एक बार हमें मौका देती है तो आने वाले समय में मैं वादा और वचन देती हूं कि अपने वादे पर खड़ा उतरूंगी और लोगों के बीच रहकर वार्ड की सफाई व्यवस्था और वार्ड की सौंदर्याकरण के कार्य की दिशा में बढ़ चढ़ के भाग लूँगी। मौके पर ललिता देवी,नीलिमा देवी,इति देवी,नंदनी,राकेश कुमार,किशन कुमार,मिथुन कुमार,राजू तांती,आलोक कुमार,विवेक कुमार,देव कुमार,राहुल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

वार्ड 17 से अन्नु गुप्ता ने पार्षद पद के लिए किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंजःनगर निकाय चुनाव के मद्देनजर वार्ड संख्या 17 से अन्नु गुप्ता ने पार्षद पद के लिए चुनाव मैदान में उतरने के साथ ही वार्ड मे चुनावी सरगर्मिया तेज हो गई।इसी क्रम मे नामांकन के अंतिम दिन वार्ड संख्या 17 से अन्नु गुप्ता ने अपने समर्थको के साथ अनुमंडल कार्यालय मे निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल की।नामांकन दाखिल के बाद अन्नु गुप्ता ने वार्डवासियों से अपील की है कि वे एक बार उन्हें सेवा का अवसर देकर वार्ड के सर्वांगीण विकास में सहभागी बनें।अन्नु गुप्ता ने ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं,बल्कि वार्ड की वर्षों पुरानी बुनियादी समस्याओं का

स्थायी समाधान करना है।उन्होंने बताया कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था,शुद्ध पेयजल की उपलब्धता,जर्जर सड़कों व नालियों का निर्माण,स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को वे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती हैं।उन्होंने वार्ड की जनता से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें चुना गया, तो वे हर वर्ग के लोगों के साथ मिलकर ईमानदारी,पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करेंगी।अन्नु गुप्ता ने विश्वास जताया कि वार्ड संख्या 17 की जनता विकास और जनसेवा के मुद्दे पर उन्हें अपना समर्थन दे।मौके पर दिशा चटर्जी,सीमा मिश्रा,स्वीटी देवी,शालिनी मिश्रा,अनीता देवी,सरोज पाण्डेय,गौरव चौधरी,राजीव पाण्डेय,अंकुर गुप्ता,किशन गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

नगर निकाय चुनावः सामान्य प्रेक्षक प्रतिनियुक्ति

दुमकाः नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड, रांची द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के अनुश्रवण हेतु सामान्य प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त सामान्य प्रेक्षक परिसदन, दुमका स्थित फूलो- झानो ब्लॉक में आवासित हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार निम्नलिखित नगर निकायों के लिए सामान्य प्रेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है–

दुमका नगर परिषद (वार्ड ख)

सामान्य प्रेक्षक : धीरेंद्र कुमार सिंह
संपर्क स्थल/कमरा संख्या : फूलोझझानो ब्लॉक , मलूटी क
समय : प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक
मोबाइल नंबर : 9341906673

बासुकीनाथ नगर पंचायत

सामान्य प्रेक्षक : रोशन कुमार साह
संपर्क स्थल/कमरा संख्या : फूलो-झानो ब्लॉक , मयूराक्षी क
समय : प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक
मोबाइल नंबर : 9341938630

संबंधित नगर निकाय क्षेत्र के आमजन, मतदाता तथा राजनीतिक दलों के सदस्य/प्रत्याशी से अनुरोध है कि चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा सुझाव उपर्युक्त मोबाइल नंबरों के माध्यम से सामान्य प्रेक्षकों को अवगत करा सकते हैं। सामान्य प्रेक्षकों से परिसदन, दुमका स्थित कार्यालय में निर्धारित समय पर मिल सकते हैं।

निकाय चुनावःव्यय प्रेक्षक प्रति नियुक्त

दुमकाः नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के सफल एवं पारदर्शी संचालन हेतु राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड, रांची द्वारा व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति निर्वाचन प्रक्रिया के अनुश्रवण के उद्देश्य से की गई है। व्यय प्रेक्षक परिसदन, दुमका स्थित फूलो-झानो ब्लॉक में आवासित हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के आलोक में निम्नलिखित नगर निकायों के लिए व्यय प्रेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है–

दुमका नगर परिषद (वार्ड ख) के लिए

*व्यय प्रेक्षकः कुन्दन कुमार सिंह
संपर्क स्थल/कमरा संख्याः फूलो-झानो ब्लॉक , मसांजोर ।।
समयः प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक
मोबाइल नंबरः 9341910016

बासुकीनाथ नगर पंचायत के लिए

व्यय प्रेक्षकः आत्म चैतन्य चौधरी
संपर्क स्थल/कमरा संख्याः फूलो-झानो ब्लॉक , मयूराक्षी ।।*
समयः प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक
*मोबाइल नंबरः 9142977870

संबंधित नगर निकाय क्षेत्र के आमजन, मतदाता एवं राजनीतिक दलों के सदस्य/प्रत्याशी चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा सुझाव दिए गए मोबाइल नंबरों के माध्यम से व्यय प्रेक्षकों तक प्रेषित कर सकते हैं। व्यय प्रेक्षकों से परिसदन, दुमका स्थित कार्यालय में निर्धारित समय अनुसार मिल सकते है।

वार्ड 15 से विजय कुमार यादव ने किया नामांकन

साहिबगंजः नगर निकाय चुनाव के अंतिम दिन अध्यक्ष से लेकर कई वार्ड पार्षदों ने अपना नामांकन पत्र भरा। इसी क्रम में वार्ड नंबर 15 से वार्ड पार्षद उम्मीदवार विजय कुमार यादव ने भी अनुमंडल कार्यालय में निवार्ची पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू के समक्ष अपने प्रस्ताव के साथ नामांकन पत्र भरा।नामांकन करने के बाद विजय कुमार यादव ने कहा की वार्ड का विकास करना हमारा पहली प्राथमिकता होगी।वार्ड में साफ सफाई, पानी,बिजली,सड़क आदि सुविधाओं को दुरुस्त करने का काम करेंगे।उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड को संभालने का काम करेंगे।इस मौके पर मुन्ना अंसारी,महेश राम,उमेश यादव के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक उनके साथ मौजूद थे।

निकाय चुनावः नाम निर्देशन की प्रक्रिया संपन्न

दुमकाः नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत जिले के नगर परिषद् दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र में नाम निर्देशन की प्रक्रिया 29 जनवरी से निरंतर जारी है।

इसी क्रम में बुधवार को नगर परिषद् दुमका क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए प्रमोद प्रसाद जायसवाल, रवि शंकर मंडल एवं तड़ित कु0 गोराई द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया। वहीं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र से अध्यक्ष पद हेतु वनलता देवी एवं सुषमा देवी ने अपना नामांकन किया।

ससुर की हत्या और पत्नी- साली को चाकू मारने वाला गिरफ्तार

पलामू : पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र के लठैया के गम्हरिया गांव में चाकू मारकर ससुर सुनील यादव की हत्या और पत्नी पूजा देवी और साली कविता देवी को जख्मी कर फरार लवकुश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लव कुश दिल्ली भागने की तैयारी में था और जपला रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंचा था। गुप्त सूचना पर उसे जपला बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून लगा चाकू और जैकेट बरामद किया गया। जिले की एसपी रिष्मा रमेशन ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध यादव ने बताया कि 29 जनवरी को हैदरनगर थाना क्षेत्र के सोबा बरेवा का लवकुश कुमार यादव दिल्ली से सीधे ससुराल गम्हरिया आकर सास और पत्नी से विवाद के बाद ससुर की चाकू मारकर हत्या कर दी थी, जबकि पत्नी और साली को गंभीर कर दिया था। पारिवारिक विवाद में उसने घटना को अंजाम दिया था। वारदात के बाद से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना मिली कि वह अपने घर आया है और वापस दिल्ली जाने के लिए जपला रेलवे स्टेशन जा रहा है। पुलिस के द्वारा जपला बाजार के पास से आरोपी लवकुश यादव को गिरफ्तार किया।

बैंडिट क्वीन के लिए नीना ने दिया था ऑडिशन

नीना गुप्ता अपनी नई फिल्म 'वध 2' को लेकर चर्चा में है। यह 6 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। इसी बीच नीना ने एक इंटरव्यू में दो दिलचस्प बातें बताई हैं। एक फिल्म बैंडिट क्वीन में अपने किरदार को लेकर और दूसरी अपनी बेटी मसाबा और उनके पिता के रिश्ते को लेकर।

'बैंडिट क्वीन' फूलन देवी की जिंदगी पर बनी फिल्म है, जिसके लिए नीना गुप्ता ने भी ऑडिशन दिया था, लेकिन शेखर कपूर ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था, जानें क्यों? वहीं नीना ने हाल ही में अपनी बेटी मसाबा और उसके पिता विवियन रिचर्ड्स के रिश्ते के बारे में अहम बाते बताई।

नीना ने दिया था 'बैंडिट क्वीन' के लिए ऑडिशन

एएनआई के अनुसार, नीना गुप्ता ने बताया कि उन्होंने शेखर कपूर की 1994 में आई मशहूर फिल्म 'बैंडिट क्वीन' में मुख्य भूमिका (फूलन देवी) के लिए ऑडिशन दिया था। यह रोल आखिरकार सीमा बिस्वास को मिला, जिनकी एक्टिंग बहुत सराही गई। नीना ने बताया कि 1993 में वे बॉम्बे आई थीं और इस रोल के लिए काफी कोशिश की। उन्होंने शेखर कपूर को अपनी तस्वीरें भी भेजीं, जिसमें वे बिना मेकअप, बाल नाक में फंसे हुए और किरदार के मुताबिक दिख रही थीं। लेकिन शेखर ने उन्हें रोल नहीं दिया।

क्यों नहीं मिला नीना को 'बैंडिट क्वीन' का रोल?

नीना ने 'बैंडिट क्वीन' का रोल न मिलने की वजह को बताते हुए कहा, 'उनसे शेखर कपूर ने कहा था कि तुम इस रोल के लिए बहुत ज्यादा खूबसूरत हो।' वे एक डार्क और कठोर लुक चाहते थे, जबकि नीना बहुत गोरी थीं। आखारिकार, नीना ने माना कि सीमा बिस्वास की कास्टिंग परफेक्ट थी।

बेटी मसाबा और विवियन रिचर्ड्स का रिश्ता

नीना ने अपनी बेटी मसाबा गुप्ता और उसके पिता (क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स) के रिश्ते के बारे में भी बात की। नीना और विवियन की शादी नहीं हुई थी, लेकिन मसाबा का जन्म हुआ। विवियन मसाबा के बड़े होने में ज्यादा शामिल नहीं रहे, लेकिन अब दोनों का रिश्ता बहुत अच्छा और आरामदायक है।

कैसे है बेटी मसाबा के साथ पिता विवियन का रिश्ता?

नीना ने विवियन को लेकर कहा, 'यह अच्छा है कि वह अपनी ही दुनिया में हैं।' विवियन ज्यादा सामाजिक नहीं हैं, जबकि मसाबा बहुत मिलनसार है (नीना की तरह)। दोनों के बीच जो भी रिश्ता है, अच्छा चल रहा है। नीना ने मसाबा की शादी (सत्यदीप मिश्रा से) के समय की एक तस्वीर का जिक्र किया, जिसमें पहली बार उनका पूरा परिवार (नीना, विवेक मेहरा, विवियन रिचर्ड्स, मसाबा) सभी साथ में थे। नीना ने इसे 'मेरा खूबसूरत मिला-जुला परिवार' कहा था।

नीरज पांडे और मनोज बाजपेयी के साथ काम करने पर बोले अक्षय ओबेरॉय

हर दिन था मास्टरक्लास

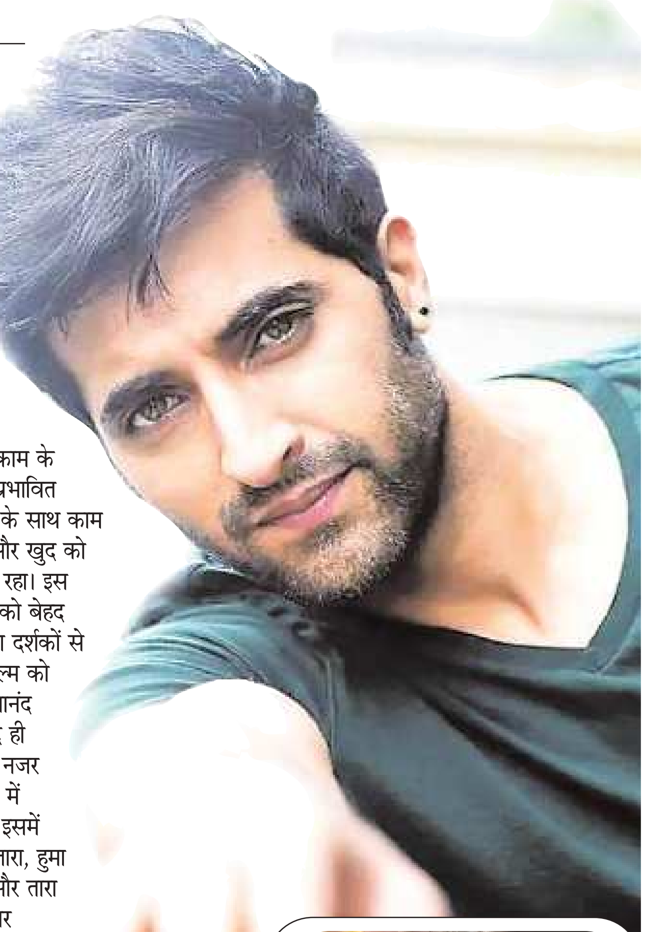

भारतीय सिनेमा में जब किसी अभिनेता को बड़े फिल्मकारों और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो वह अनुभव उनके करियर को बदलने वाला साबित होता है। इस कड़ी में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय को नीरज पांडे-रितेश शाह के निर्देशन और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिला, जो उनके लिए सीखने और प्रेरणा लेने वाली यात्रा बन गई। इंटरव्यू में उन्होंने अनुभवों को साझा किया। बात करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने कहा, ''नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा है। वह जिस जॉनर में फिल्म बनाते हैं, उसमें उनकी पकड़ और समझ अनोखी है। सेट पर हर दिन उनके साथ काम करना किसी मास्टरक्लास से कम नहीं होता। उनकी सटीकता, कहानी पर पकड़ और विजुअल बनाने का तरीका मुझे लगातार सीखने का अवसर देता रहा है। मेरा मानना है कि इस फिल्म ने मुझे एक बेहतर अभिनेता बनने में मदद की है और मेरी कला को और निखारा है।'' फिल्म के निर्देशक रितेश शाह को लेकर अक्षय ने कहा, ''उनके काम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदारों और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनके निर्देशन में हर सीन में एक वास्तविकता और वजन आता है। मैंने उनके साथ काम करते हुए हर सीन को अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से निभाने की कला सीखी। यह अनुभव मेरे लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी रहा। मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन साझा करने के अनुभव को भी अक्षय ने प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा, ''मनोज बाजपेयी सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक पूरी संस्था हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और काम के प्रति जुनून पूरी टीम को प्रभावित करता है। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर रहा। इस अनुभव के लिए मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं। मेरा दर्शकों से आग्रह है कि वह इस फिल्म को देखें और अभिनय का आनंद ले। अक्षय ओबेरॉय जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम किरदार निभा रही हैं। फिल्म को गीतू मोहनदास ने निर्देशित किया है और इसे कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट किया गया है।

वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका ने पति पर लगाया चीटिंग का आरोप

बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आई इंफ्लुएंसर चंद्रिका दीक्षित अपने निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ गई। एक वायरल वीडियो में वह अपने पति पर धोखा देने का आरोप लगा रही हैं। लेकिन इस वजह से वह ट्रोल भी हो रही हैं। सोशल मीडिया पर वड़ा पाव गर्ल के नाम से मशहूर हुई चंद्रिका दीक्षित आगे चलकर इंफ्लुएंसर बन गईं। साथ ही बिग बॉस ओटीटी 3 में भी नजर आईं। एक बार फिर से वह चर्चा में हैं। हाल ही में चंद्रिका का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए अपने पति पर चीटिंग का आरोप लगा रही हैं। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स उनकी बातों पर यकीन नहीं कर रहे हैं। चंद्रिको सोशल मीडिया यूजर्स खरी-खोटी सुना रहे हैं।

रोते-बिलखते हुए चंद्रिका ने वीडियो किया शेयर

चंद्रिका दीक्षित ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर सोमवार को एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने पति पर धोखा देने का आरोप लगा रही हैं।

नए गाने की तैयारी में जुटी अक्षरा सिंह

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह अपने प्रोजेक्ट और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। उनके फैंस हर पोस्ट को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने नए गाने का संकेत देते हुए तस्वीर शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। इसमें वे हाथ में कप लिए हुए, कंडेसर माइक्रोफोन के सामने खड़ी दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, 'रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश।' अक्षरा की तस्वीर देख फैंस नए प्रोजेक्ट आने का अंदाजा लगा रहे हैं। उनका कहना है कि यह किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट का संकेत हो सकता है। अक्षरा का नाम भोजपुरी सिनेमा में उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं। उनके गाने दर्शकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं। वहीं, अभिनेत्री भी किसी खास मौके से पहले गाना जरूर रिलीज करती हैं। अभी हाल ही में अक्षरा का एक नया गाना 'बालम जी' रिलीज हुआ था और इसे दर्शक भी काफी पसंद कर रहे हैं।

कहा जाता है कि अक्षरा के माता-पिता भी इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। यही कारण है कि उन्होंने इस इंडस्ट्री में अपना करियर बनाया। अभिनेत्री ने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' से शुरुआत की थी। उन्हें मुख्य रूप से 'तबादला', 'सरकार राज' और 'सत्या' जैसी एक्शन-रोमांस फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही अक्षरा 'बिग बॉस ओटीटी' समेत 'सर्विस वाली बहू', 'पोरस', और 'काला टीका' जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म 'सात फेरे चार वचन' और 'अम्बे है मेरी मां' में भी दिखने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब इसका ट्रेलर आने वाला है। हालांकि, रिलीज की तारीख अभी तक सामने नहीं आई है।

16 साल बाद निर्माता की कुर्सी पर वापस आईं सौंदर्या रजनीकांत

'मैंने सोचा था, मैं लौटूंगी'

तमिल सिनेमा की जानी-मानी हस्ती और अनुभवी फिल्म निर्माता सौंदर्या रजनीकांत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय बाद वह फिल्म निर्माण की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इस बीच उन्होंने एक इवेंट में बीते सालों की यादें, संघर्ष और नई शुरुआत की झलक साझा की। दरअसल, सौंदर्या

रजनीकांत निर्देशक मदन की फिल्म 'विद लव' के प्री-रिलीज इवेंट में शामिल हुईं। वह इस फिल्म की निर्माता हैं। उन्होंने कहा, ''यह पल मेरे लिए सिर्फ एक फिल्मी इवेंट नहीं, बल्कि जीवन का भावुक क्षण है। मैंने निर्देशक वेंकट प्रभु को इस कार्यक्रम में आने के लिए फोन किया था। बातचीत के दौरान वेंकट प्रभु ने मुझे याद दिलाया कि उनकी पिछली फिल्म 'गोवा' को रिलीज हुए पूरे सोलह साल हो चुके हैं। सौंदर्या ने बताया, '''गोवा' ही वह फिल्म थी, जिसके साथ मैंने निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए और लंबे समय तक मैं फिल्मों से दूर रही। जब वेंकट प्रभु ने 16 साल का जिक्र किया, तो वह पल मेरे लिए बेहद भावुक हो गया, क्योंकि इतने लंबे समय बाद फिर से निर्माता की भूमिका में लौटना बेहद खास होता है। उन्होंने मंच से कहा, ''इतने साल पहले मैंने मन ही मन यह ठान लिया था कि अगर कभी मैं दोबारा फिल्म निर्माण में लौटूंगी, तो एक ऐसी टीम के साथ लौटूंगी, जो दिल से काम करे, ईमानदार हो और जिसमें रचनात्मक ऊर्जा हो। आज फिल्म 'विद लव' की पूरी टीम को देखकर मुझे लगा कि मेरा वही सपना सच हो गया है। सौंदर्या ने बेहद भावुक अंदाज में कहा, ''मैं इस वापसी को लेकर बहुत खुश हूं, मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, मेरे धैर्य, विश्वास और मेहनत की जीत है। इतने लंबे अंतराल के बाद इस तरह की टीम के साथ लौटना किसी वरदान से कम नहीं है।''

पलाश सेन ने गायक के रिटायरमेंट पर दी प्रतिक्रिया

'मैं जानता हूं अरिजीत ने क्यों छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग'

अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट पर सेलेब्स के रिएक्शन आना अभी भी जारी है। अब सिंगर और संगीतकार पलाश सेन ने भी अरिजीत के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट पर प्रतिक्रिया दी है। पलाश ने बताया अरिजीत ने क्यों छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग...

हाल ही में अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट लेकर फैंस से लेकर सेलेब्स तक हर किसी को हैरान कर दिया। अरिजीत के अचानक रिटायरमेंट लेने के बाद सेलेब्स ने भी उनके इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी। वहीं कई लोगों ने अरिजीत से अपना फैसला वापस लेने की भी अपील की। अब संगीतकार व सिंगर पलाश सेन ने भी अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पलाश ने अरिजीत के इस फैसले को सही बताया है।

पलाश सेन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने बतौर अभिनेता अपनी पहली फिल्म 'फिलहाल' और उस समय इंडस्ट्री की प्रतिक्रिया के बारे में बताया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'आज से चौबीस साल पहले 2 फरवरी को मेरी पहली फिल्म 'फिलहाल' रिलीज हुई थी। यह फ्लॉप रही। ज्यादातर आलोचकों ने मेरी आलोचना की और फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों ने मुझे ट्रोल किया। एक मॉडल से अभिनेत्री बनी महिला ने मुझे खूब खरी-खोटी सुनाई और कई अन्य लोगों ने भी ऐसा ही किया। वैसे भी मुझे फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए की क्योंकि मैं महान कवि-लेखक गुलजार साहब द्वारा लिखा एक गीत गाना चाहता था। यह गीत दिग्गज अनु जी द्वारा कंपोज किया जाना मेरे लिए एक और सपने के सच होने जैसा था। बस यही बात थी। मुझे सच में नहीं पता कि मुझे खतरा क्यों समझा गया। मैं तो बस मौज-मस्ती करने और अपना काम पूरी लगन से करने गया था। अद्भुत सुषु (सुष्मिता सेन), तब्बू और संजय के साथ काम करना मेरे लिए इनाम जैसा था। शानदार मेघना के निर्देशन में काम करना मेरे जीवन का एक अनमोल अनुभव है। मेरे पास सिर्फ खूबसूरत यादें हैं और मुझे इस समय से आगे की फिल्म पर बहुत गर्व है। दरअसल, अब जब यह टेलीविजन पर इतनी सफल हो गई है, तो मुझे बहुत खुशी और कृतज्ञता महसूस हो रही है।'

बताया क्यों छोड़ी अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग

इस पोस्ट में पलाश ने अरिजीत के रिटायरमेंट के फैसले के बारे में भी बात की। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'सच तो यह है कि मैं जानता हूं कि मेरा भाई अरिजीत फिल्म प्लेबैक क्यों छोड़ रहा है। मैं भी कई साल पहले इसी राह पर था और मैंने अपना रास्ता खुद चुना था। वही रास्ता जिस पर अब अरिजीत चलेगा।' पलाश ने पोस्ट में आगे बताया कि उस साल उन्हें कई बेस्ट न्यूकमर अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन भी मिला था। हालांकि, वो कहीं भी जीत नहीं पाए। उन्होंने कहा कि भले ही उन्हें पुरस्कार नहीं मिले, लेकिन प्रशंसकों का प्यार उनके लिए सब कुछ था।

कोपा इटालिया: इंटर मिलान ने टोरिनो को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मिलान : इंटर मिलान ने बुधवार रात खेले गए कोपा इटालिया क्वार्टरफाइनल मुकाबले में टोरिनो को 2झ1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कड़े मुकाबले में फ्रांस के युवा खिलाड़ियों एंजे-योआन बॉनी और एंडी डियूफ ने इंटर की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के 35वें मिनट में सेंटर-फॉरवर्ड एंजे-योआन बॉनी ने ताकतवर एंगल्ड हेडर के जरिए इंटर को बढ़त दिलाई। उनका शॉट सीधे टोरिनो के गोलकीपर अल्बर्टो पालेयारी के हाथों से निकलकर गोल में चला गया। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरूआत में ही इंटर ने बढ़त दोगुनी कर ली। 47वें मिनट में एंडी डियूफ ने मार्कस थुराम के शानदार क्रॉस पर आसान टैप-इन करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

हालांकि टोरिनो ने हार नहीं मानी। मैच के लगभग एक घंटे के करीब क्रोएशियाई स्ट्राइकर सैंड्रो कुलैनोविच ने ऊंची छलांग लगाकर शानदार हेडर से गोल दागा और अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद टोरिनो ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंटर की मजबूत और अनुशासित डिफेंस के सामने उन्हें सफलता नहीं मिल सकी।

इंटर मिलान के मुख्य कोच क्रिस्टियन कीवू ने इस मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज को आराम दिया। यह मैच सैन सिरो स्टेडियम की बजाय मोंजा में खेला गया, क्योंकि सैन सिरो में शुक्रवार को होने वाले विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस जीत के साथ इंटर मिलान कोपा इटालिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। अब बाकी क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में गुरुवार को अटलांटा का सामना युवेंटस से होगा, जबकि नेपोली और कोमो आमने-सामने होंगे। वहीं अगले हफ्ते बोलोनिया और लाज़ियो के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

एरॉन जॉर्ज के शानदार शतक की बदौलत भारत अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में, अफगानिस्तान को 7 विकेट से दी शिकस्त

भारत ने 311 का रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल किया, फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ंत तय

एजेंसी

हरारे : एरॉन जॉर्ज के शानदार शतक की बदौलत पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने 2026 आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में भारत ने 311 रन के मुश्किल लक्ष्य को महज 41.1 ओवर में हासिल कर लिया और अपने 10वें वर्ल्ड कप फाइनल तथा लगातार छठे फाइनल में प्रवेश किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए एरॉन जॉर्ज ने दबाव भरे मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 104 गेंदों पर 15 चौकों और दो छक्कों की मदद से 115 रन बनाए और 110.58 की स्ट्राइक रेट से भारत की जीत की नींव रखी। उनके अलावा वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक अंदाज में 33 गेंदों पर 68 रन बनाए, जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे ने 39 गेंदों पर 62 रनों की तेज पारी खेली। अंत में विहान मल्होत्रा 47 गेंदों पर 38 रन बनाकर नाबाद रहे। जॉर्ज ने सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने दूसरे विकेट के लिए म्हात्रे के साथ 114 रन और तीसरे विकेट के लिए मल्होत्रा के साथ 96 रन जोड़कर लक्ष्य को आसान बना दिया। इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 310 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से फैसल शिनोजादा ने 93 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। वहीं, उजैरुल्लाह नियाजई 86 गेंदों पर 101 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 148 रन की अहम साझेदारी की।

भारत की ओर से गेंदबाजी में कनीशक चौहान और दीपेश देवेंद्रन ने दो-दो विकेट लिए, हालांकि अन्य गेंदबाज अफगान बल्लेबाजों पर ज्यादा अंकुश नहीं लगा सके।

लेकिन सूर्यवंशी, जॉर्ज और म्हात्रे की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे अफगानिस्तान का स्कोर भी नाकाफी साबित हुआ। अब फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा।

संक्षिप्त स्कोर:

अफगानिस्तान 310/4 (फैसल शिनोजादा 110, उजैरुल्लाह नियाजई 101 नाबाद; कनीशक चौहान 2/55, दीपेश देवेंद्रन 2/64)

भारत 311/3, 41.1 ओवर (एरॉन जॉर्ज 115, वैभव सूर्यवंशी 68; नूरिस्तानी ओमरजई 2/64, वहीदुल्लाह जद्रान 1/67)

भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

रायपुर : मुख्यमंत्री साय आज मयाली-बगीचा पर्यटन विकास परियोजना का करेंगे भूमिपूजन

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दो दिवसीय जशपुर जिले के प्रवास पर हैं। अपने प्रवास के दूसरे दिन आज गुरुवार को मुख्यमंत्री साय जशपुर के मयाली में बहुप्रतीक्षित मयाली-बगीचा पर्यटन विकास परियोजना का भूमिपूजन करेंगे। यह परियोजना क्षेत्र में पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर सृजित करेगी। उल्लेखनीय है कि मयाली- बगीचा विकास परियोजना के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत सीबीडीडी उप-योजना के तहत लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस परियोजना को मधेश्वर पहाड़ की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए मयाली डेम के समीप विकसित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं और जशपुर जिला अपनी नैसर्गिक सुंदरता के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। यहाँ की नदियाँ, झरने, पहाड़, घाटियाँ, घने जंगल तथा समृद्ध आदिवासी और ग्रामीण संस्कृति पर्यटकों को निरंतर आकर्षित करती रही है। इन्हीं संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए जशपुर क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। परियोजना के अंतर्गत पर्यटक रिसॉर्ट एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही मधेश्वर पहाड़ के नीचे स्थित गुफा मंदिर एवं कैलाश गुफा (बगीचा) क्षेत्र में भी पर्यटन विकास से जुड़े कार्य किए जाएंगे, जिससे धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए होम-स्टे विकसित किये जाने का भी प्रस्ताव है, जिससे स्थानीय नागरिकों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। मयाली बगीचा परियोजना के क्रियान्वयन से जशपुर क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, स्थानीय युवाओं को कौशल विकास का लाभ मिलेगा और क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किए जाने वाले भूमिपूजन के साथ ही जशपुर जिले के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ट्रक से 27 मवेशी बरामद, एक गिरफ्तार

कामरूप (असम) : कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो इलाके से पुलिस ने एक ट्रक से 27 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान हाजों के शांतिबाड़ी इलाके से 27 मवेशी समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार पशु तस्कर सभी मवेशियों को ट्रक के जरिए मेघालय के पशु बाजार तक ले जा रहे थे। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान कोहिनूर अली के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार पशु तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद असम से मेघालय होते हुए बांग्लादेश तक पशुओं की तस्करी जारी है।

मध्य प्रदेश में सर्दी का सितम जारी, 30 से ज्यादा जिलों में छाया घना कोहरा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में ठंड और कोहरे का असर बना हुआ है। गुरुवार सुबह राजधानी भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन सहित प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में हल्के से घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने कोहरे के चलते वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम के कारण प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के चलते ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं, जिससे दिन में भी ठंडक बनी हुई है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 8 फरवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखाई देगा। इसके चलते 10 फरवरी से मावठे की बारिश होने की संभावना जताई गई है। बीते बुधवार को प्रदेश के कई हिस्सों में दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं, जिससे ज्यादातर शहरों का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग में कोहरे का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला, जहां विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर से भी कम रहने की आशंका है। ऐसे हालात में सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग का कहना है कि सुबह के समय अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करें। कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय गति कम रखें और फॉग लाइट का उपयोग जरूर करें। शुक्रवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में कोहरा छाए रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

इन जिलों में कोहरे का असर

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार सुबह भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सागर, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, रतलाम, नीमच, मंदसौर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर जिलों में कोहरा देखा गया।

अगले दो दिन कैसा रहेगा मौसम

6 फरवरी को ग्वालियर, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में घना कोहरा रहेगा। वहीं भोपाल, गुना, अशोकनगर, इंदौर, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, विदिशा, सीहोर और रायसेन समेत कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर बना रहेगा। 7 फरवरी को प्रदेश के कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति रहेगी।

बंगाल दौरे पर फिर आएंगे गृह मंत्री अमित शाह, फरवरी के तीसरे सप्ताह में यात्रा प्रस्तावित

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह फरवरी के तीसरे सप्ताह में राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आ सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी के एक सदस्य ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्री के 17 फरवरी की रात या 18 फरवरी की सुबह कोलकाता पहुंचने की संभावना है और वे 19 फरवरी को दिल्ली लौट सकते हैं। हालांकि, जनवरी के अंत में हुए उनके पिछले बंगाल दौरे से यह यात्रा अलग रहने वाली है। उस समय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर 24 परगना के बैरकपुर और दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी में सार्वजनिक रैलियों और पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित किया था। लेकिन इस बार उनका पूरा फोकस संगठनात्मक और प्रशासनिक बैठकों पर रहने की संभावना है।

राज्य भाजपा समिति के सदस्य ने बताया कि यह संभावित दौरा पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के समय पड़ रहा है। इसी वजह से गृह मंत्री इस बार किसी भी सार्वजनिक रैली को संबोधित नहीं करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, इस दौरे के दौरान अमित शाह पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और सांसदों व विधायकों सहित शीर्ष नेताओं की भूमिकाएं तय करेंगे। हाल ही में राज्य भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल से चुने गए पार्टी सांसदों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सभी सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी थी। माना जा रहा है कि गृह मंत्री इस दिशा में सांसदों और विधायकों को स्पष्ट जिम्मेदारियां सौंप सकते हैं। इसके अलावा, राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार चयन के मानदंडों को लेकर भी प्रारंभिक चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नए वर्ष की शुरूआत से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार पश्चिम बंगाल दौरे इस बात का संकेत हैं कि भाजपा इस बार के विधानसभा चुनावों को लेकर राज्य को बेहद गंभीरता से ले रही है। गौरतलब है कि जनवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने पहले 17 जनवरी को मालदा जिले में और फिर 18 जनवरी को हुगली जिले के सिंगुर में राजनीतिक रैलियों को संबोधित किया था। इसके बाद नितिन नवीन 27 जनवरी से दो दिवसीय दौरे पर बंगाल आए थे और पश्चिम बर्दवान जिले के औद्योगिक शहर दुर्गापुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया था।

वोट ऑन अकाउंट बजट आज: लक्ष्मी भंडार समेत कई योजनाओं पर बढ़ सकती है राशि, सभी की निगाहें ममता सरकार के ऐलान पर

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्रहवें कार्यकाल और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तीसरी तृणमूल सरकार का आज, गुरुवार को अंतिम वोट ऑन अकाउंट बजट पेश किया जा रहा है। दोपहर ढाई बजे राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य बजट प्रस्तुत करेंगी। इससे पहले साढ़े बारह बजे राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस विधानसभा में अपना भाषण देंगे। राज्यपाल के भाषण और बजट प्रस्तुति, दोनों मौकों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सदन में मौजूद रहने की संभावना है। हालांकि यह वोट ऑन अकाउंट बजट है, लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले होने के कारण आम लोगों की उम्मीदें इससे जुड़ गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बजट में लक्ष्मी भंडार योजना की राशि बढ़ाने सहित राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भी कई राहतभरी घोषणाएं हो सकती हैं। इसके अलावा ह्यबांग्लार बाड़ीह्व, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और विभिन्न सामाजिक योजनाओं को लेकर भी बड़े ऐलान की संभावना जताई जा रही है। जानकारों का कहना है कि सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास, रोजगार, सूक्ष्म और मध्यम उद्योग जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त बजट आवंटन की घोषणा भी वित्त मंत्री कर सकती हैं। इसी वजह से, वोट ऑन अकाउंट होने के बावजूद आम जनता के साथ-साथ राजनीतिक हलकों में भी बजट को लेकर खासा उत्साह और दिलचस्पी है।

परिषदीय विभाग के सूत्रों के अनुसार, बजट पेश होने से पहले दोपहर डेढ़ बजे मुख्यमंत्री के कक्ष में मंत्रिमंडल की बैठक होगी, जिसमें वोट ऑन अकाउंट बजट को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद मंत्रिमंडल की उद्योग संबंधी उच्चाधिकार समिति की बैठक भी प्रस्तावित है। फिर दोपहर ढाई बजे राज्य की पहली महिला वित्त मंत्री के तौर पर चंद्रिमा भट्टाचार्य बजट पेश करेंगी। विधानसभा सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार और सोमवार, जो इस सत्र का अंतिम दिन होगा, वोट ऑन अकाउंट बजट पर चर्चा सहित कुल तीन दिन मुख्यमंत्री के सदन में मौजूद रहने की संभावना है।

सेफी चेयरमैन ने आइएसपी के डीआइसी के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

एजेंसी

आसनसोल : सेफी (स्टील एक्जिक्यूटिव फेडरेशन आफ इंडिया) चेयरमैन एनके बंछोर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार दोपहर प्लांट का दौरा किया। सेल के इस्को स्टील प्लांट (आइएसपी) बर्नपुर में बुधवार देर शाम महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में अधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ कल्याण, पदोन्नति, वेतन, आवास और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

मिली जानकारी के अनुसार, सेफी प्रतिनिधिमंडल ने दुर्गापुर एवं इस्को स्टील प्लांट बर्नपुर के डायरेक्टर इंचार्ज सुरजीत मिश्र से मुलाकात की। सभी प्रतिनिधिमंडल और कर्मचारियों से अपील की गई कि वे एकजुट होकर आईएसपी के नए विस्तार परियोजनाओं को समय पर, सुरक्षित और कुशलतापूर्वक पूरा कराने में मदद करें, ताकि संगठन और राष्ट्र निर्माण में मजबूत योगदान दिया जा सके।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं, एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिका में बड़ी टेक और चिप कंपनियों में चौतरफा बिकवाली होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 6,885.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 343.66 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,911.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत लुढ़क कर 49,448.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,402.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 82.66 अंक यानी एक प्रतिशत उछल कर 8,262.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 177.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,603.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,161.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,765.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत फिसल कर 4,954.33 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 208.48 अंक यानी 3.88 प्रतिशत टूट कर 5,162.62 अंक के स्तर तक गिर गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 461.56 अंक यानी 1.43 प्रतिशत फिसल कर 31,828.25 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 355.32 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,492 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 558.36 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,735 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.03 प्रतिशत लुढ़क कर 4,059.91 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत फिसल कर 1,340.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राजिम कुंभ कल्प मेला : मुख्य मंच पर सजेगी लोक-संस्कृति की भव्य महफिल

राजिम : छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित राजिम के पवित्र त्रिवेणी संगम तट पर आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 के अंतर्गत श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के मनोरंजन के साथ-साथ लोक-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से मुख्य मंच पर प्रतिदिन शाम 5 बजे से विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत लोक मंच, कथक, लोक नृत्य, भरतनाट्यम, रामलीला, ओडिसी नृत्य, सुगम संगीत, जसगीत, जगराता, लाफ्टर शो एवं वादन-गायन जैसी अनेक विधाओं की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सूची 5 फरवरी को रायपुर से बॉबी मंडल द्वारा सुगम संगीत तथा कुम्हारी के महेश वर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ी लोककला मंच की प्रस्तुति दी जाएगी। 6 फरवरी को गाड़ाघाट अतरमरा से घनश्याम साहू एवं बिलासपुर के हिरेन्द्र ठाकुर द्वारा लोक मंच की प्रस्तुति होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

खंडवा: आईटीआई में आज रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप रोजगार मेले का आयोजन

खण्डवा : मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में आज गुरुवार को गुरुवार को आज प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक शासकीय आई.टी.आई में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में प्रदेश की विभिन्न कम्पनियों के द्वारा तकनीकी एव गैर तकनीकी क्षेत्र में लगभग 200 बेरोजगार युवक युवतियों की निजी क्षेत्र में भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलौटे ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक या स्नातकोत्तर है, और आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच है, उनमें से चयनित युवाओं को 8 हजार रूपए से 25 हजार रुपये सम्बंधित कम्पनी द्वारा मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को अन्य सुविधाएं कम्पनियों के नियमानुसार रहेगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त मूल दस्तावेज की फोटोकॉपी, पासपोर्ट साइज के 4 फोटो, आधार कार्ड, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन कार्ड के साथ उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ उठा सकते हैं। इस हेतु मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

भारी मात्रा में गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रधान नगर थाने की पुलिस ने बुधवार देर रात अभियान चलाकर 22 किलो गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम नवीन कुमार है। वह बिहार के वैशाली जिले का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर प्रधान नगर थाने की पुलिस ने सिलीगुड़ी जंक्शन इलाके में अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में खड़े नवीन कुमार को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद तीन बैग से कुल 22 किलो गांजा बरामद किया गया। जांच में सामने आया है कि गांजा की यह खेप कुचबिहार से सिलीगुड़ी लाई गई थी, जिसे आरोपित बिहार ले जाने की फिराक में था। वह जंक्शन पर बिहार जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि नवीन कुमार 12वीं कक्षा का छात्र है और कुछ पैसों के लालच में डिलीवरी मैन बनकर गांजा तस्करी में शामिल हुआ था। बरामद गांजा की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को आरोपित को सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म, राजस्थान में खिला आसमान

जयपुर : राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव समाप्त होने के साथ ही मौसम साफ हो गया है। बुधवार को जयपुर, जैसलमेर, पिलानी, बीकानेर, अजमेर सहित कई शहरों में पूरे दिन तेज धूप खिली रही, जिससे लोगों को तेज सर्दी से कुछ राहत मिली। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार प्रदेश में आगामी तीन से चार दिनों तक मौसम शुष्क और साफ रहने की संभावना है। हालांकि इस सप्ताह उत्तरी हवाओं के प्रभाव से सर्दी तेज बनी रहेगी, जबकि अगले सप्ताह से सर्दी का असर धीरे-धीरे कम होने लगेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी जिलों में आसमान पूरी तरह साफ रहा। जोधपुर, जयपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग के जिलों में दिन के समय अच्छी धूप निकलने से जनजीवन को राहत मिली। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर संभाग में बुधवार सुबह से दोपहर तक हल्का कोहरा छाया रहा। भरतपुर, धौलपुर और अलवर जिलों में कोहरे का असर देखने को मिला। अलवर में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस तथा करौली में 22.1 डिग्री सेल्सियस मापा गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार भरतपुर संभाग में आज और कल भी हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह उत्तरी हवाओं के कारण सर्दी तेज रहेगी, लेकिन अगले सप्ताह हवाओं की तीव्रता कम होने से सुबह-शाम के तापमान में बढ़ोतरी होगी और सर्दी का प्रभाव कमजोर पड़ने लगेगा।

मणिपुरः 180 एकड़ अवैध अफीम की खेती नष्ट, अफीम ले जा रहा ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

इंफाल : मणिपुर में उग्रवादियों की गिरफ्तारी, अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने का अभियान जारी है। इस कड़ी में मणिपुर पुलिस द्वारा आज तड़के जारी सूचना के अनुसार सुरक्षा बलों और वन विभाग की संयुक्त टीम ने पहाड़ी क्षेत्र में की गयी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार उखरुल जिले के लिटान थाना क्षेत्र के लेइंगंगचिंग पहाड़ी श्रृंखला (मापीथेल पहाड़ी श्रृंखला) में बुधवार को कुल 180 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। प्लांटेशन वाली जगहों पर मिली 20 (बीस) झोपड़ियों को भी नष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को एक ट्रक को रोककर ड्राइवर को गिरफ्तार किया। ड्राइवर की पहचान सेनापति जिले के काइबी गांव निवासी अथिखो एलोखो (27) के रूप में की गयी है। उसे माओ थानांतर्गत सेनापति जिले के शहीद पार्क इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 5.60 किलोग्राम अफीम, रोका गया टाटा डंपर (एनएल- 07एए-5740), एक मोबाइल फोन, 5,200 रुपये, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि सुरक्षा बल जिलों में सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं। मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटी दोनों में, बुधवार को कुल 103 नाके/चेकपॉइंट लगाए गए, हालांकि किसी को हिरासत में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जा रहे 130 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है।

वर्धमान के आझापुर हाई स्कूल पर बोर्ड की सख्ती, परीक्षा व्यवस्था बदली

वर्धमान : पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पूर्व वर्धमान जिले के आझापुर हाई स्कूल में हुई हिंसक घटना और परीक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बोर्ड ने शुक्रवार से शुरू हो रही माध्यमिक परीक्षाओं को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित सात शिक्षकों और एक ग्रुप-डी कर्मचारी को निलंबित कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार को अंग्रेजी परीक्षा के दौरान स्कूल के एक ग्रुप-डी कर्मचारी का मोबाइल फोन परीक्षा कक्ष में बज उठा। इस पर आपत्ति जताने पर परीक्षा केंद्र के ऑफिसर-इन-चार्ज के साथ प्रधानाध्यापक कक्ष में मारपीट की गई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए बोर्ड ने तत्काल प्रभाव से संबंधित सभी कर्मियों को परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी से हटा दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक (माध्यमिक) कार्यालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद परीक्षा संचालन के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। पास के पर्वतपुर हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक को आझापुर हाई स्कूल का नया वेन्यू सुपरवाइजर नियुक्त किया गया है। साथ ही, परीक्षा व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए आसपास के स्कूलों से दस अतिरिक्त शिक्षकों की तैनाती की गई है।

मां ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

एसपी साहब, पुत्र अपराधी है तो जेल भेज दीजिए, नहीं तो छोड़ दीजिए

संवाददाता

चतराः जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के टुनगुन गांव निवासी अख्तरी खातून ने पुलिस हिरासत में अपने पुत्र के साथ कथित उत्पीड़न को लेकर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।महिला का कहना है कि उसका पुत्र सुहैल अंसारी को 27 जनवरी को लावालौंग पुलिस घर से पकड़कर ले गई, लेकिन 10 दिन बीत जाने के बावजूद न तो उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और न ही छोड़ा गया है।जब वह लावालौंग थाना गई तो पुलिस ने जानकारी दी कि उसके पुत्र को टंडवा थाना की पुलिस अपने साथ ले गई है। इसके बाद वह पुत्र से मिलने टंडवा थाना पहुंची, जहां देखा कि उसका बेटा हाजत में बंद है और उसके शरीर पर मारपीट के निशान हैं।महिला का आरोप है कि उसके पुत्र के साथ हिरासत में बुरी तरह पिटाई की गई है। जब उसने अपने पुत्र से मिलने की जिद की तो पुलिसकर्मियों ने उसे थाना परिसर से बाहर निकाल दिया, जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान और भयभीत है।महिला ने सवाल उठाया है कि यदि उसका पुत्र किसी अपराध में दोषी है तो उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल भेजा जाए और यदि वह निर्दोष है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। हिरासत में रखने की कोई स्पष्ट जानकारी या लिखित कारण परिवार को नहीं दिया गया है, महिला ने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अपने पुत्र को न्याय दिलाने की मांग की है।

13 साल की किशोरी कुमकुम दो दिन से लापता,पुलिस ने शुरू की तलाशी

चतराः जिले में एक बार फिर नाबालिग किशोरी के लापता होने की खबर ने इलाके में चिंता पैदा कर दी है।डालटनगंज (पलामू) की रहने वाली 13 वर्षीय कुमकुम पिछले दो दिनों से अपनी बहन के घर चतरा में ठहरी हुई थी। मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह चतरा के बाजार घूमने के बहाने घर से निकली और उसके बाद वापस नहीं लौटी।

परिजनों ने बताया कि काफी देर तक इंतजार करने के बाद जब कुमकुम का कोई पता नहीं चला तो शाम करीब 7 बजे उन्होंने स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस जांच में पता चला कि किशोरी का मोबाइल फोन आखिरी बार लिपदा क्षेत्र में लोकेट हुआ था, जिसके बाद वह स्विच ऑफ हो गया।

लापता किशोरी के पिता का नाम रोशन राम और माता का नाम बेबी देवी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तलाशी अभियान तेज कर दिया है। आसपास के इलाकों में छापेमारी की जा रही है और बाजार व सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है।

वार्षिक माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्रों का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

चतराः जिले में संचालित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के सुचारू, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में बुधवार को उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा परीक्षा केंद्र राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, चतरा का निरीक्षण कर चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया गया।गौरतलब है कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा का आयोजन दिनांक 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक प्रथम पाली (पूर्वाह्न 09:45 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक) किया जा रहा है, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) का आयोजन दिनांक 03 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक द्वितीय पाली (अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे तक) निर्धारित है।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, कदाचार नियंत्रण उपायों, सुरक्षा व्यवस्था तथा परीक्षार्थियों की सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया।अधिकारियों ने केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित कर्मियों को राज्य स्तर से जारी दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जानकारी दी गई कि जिले में मैट्रिक परीक्षा 2026 के लिए कुल 38 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 17,613 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के लिए कुल 28 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें कला संकाय के 8,846, विज्ञान संकाय के 2,991 तथा वाणिज्य संकाय के 138 परीक्षार्थी शामिल हैं। इस प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 11,975 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं।निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

अस्पताल में संक्रमित रक्त बना जानलेवा, पांच नाबालिग बच्चों में एचआईवी संक्रमित होने पर हाईकोर्ट सख्त

रांची/ चाईबासा : झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा सदर अस्पताल में वर्ष 2025 के दौरान संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने से पांच नाबालिग थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के एचआईवी संक्रमित होने के मामले में बड़ा आदेश दिया है। न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की एकल पीठ ने इस गंभीर मामले में तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है।

बच्चों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि मामले में अविलंब एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दर्ज की गई एफआईआर की प्रति शिकायतकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाए और उसकी एक प्रति प्रतिवाद पत्र (काउंटर एफिडेविट) के साथ न्यायालय में प्रस्तुत की जाए।

अदालत ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील और गंभीर बताते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी लापरवाही को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

स्कूली बच्चों से भरी वैन पलटी तीन घायल,मची अफरा-तफरी

▸ वैन में 10 बच्चे थे सवार ▸ अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलटा वैन

संवाददाता

गिरिडीहः जिले में आज गुरुवार सुबह स्कूल वैन पलटने से हड़कंप मच गया। वहीं इस घटना में तीन बच्चे घायल हो गए। तेज रफ्तार स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे के वक्त वैन में 10 बच्चे सवार थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला, घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। बच्चों की जान बाल-बाल बच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना जिले के तिसरी थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि निजी स्कूल की वैन तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। घायल बच्चों में 12 वर्षीय मुस्कान कुमारी, 8 वर्षीय बिपिन सिंह और 10 वर्षीय मरिता बेसरा शामिल हैं। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि वैन रोज की तरह बुटवरिया गांव से बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। वैन तेज रफ्तार में थी और चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वैन गड्ढे में पलट गई। ग्रामीणों की तत्परता से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं इस घटना में तीन बच्चे घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

बिना फिटनेस-इंश्योरेंस चल रही थी वैनः स्कूल वैन की जांच में पता चला कि इसकी फिटनेस केवल 28 मार्च 2021 तक वैध थी, जबकि इंश्योरेंस 25 मार्च 2020 को समाप्त हो चुका था। वहीं घटना को लेकर परिजन आक्रोश में है।

नगर निकाय चुनाव 2026

काफी दिलचस्प व रोमांचक होगा अध्यक्ष पद का चुनाव

विनय मिश्रा

चक्रधरपुर नगर पालिका का निर्माण 1918 में हुआ था। वर्तमान में यह नगर परिषद के नाम से पहचाना जाता है। इस नगर परिषद के अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों का चयन 23 फरवरी को चक्रधरपुर नगर परिषद के मतदाता करेंगे। नगर निकाय चुनाव की तैयारी अब पूर्ण हो चली है । नामांकन की अंतिम तिथि 4 फरवरी को समाप्त होने के बाद राजनीतिक तापमान भी काफी बढ़ गया है । अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में उतरने वाले सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी के पुत्र एवं मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक जगत माझी के अनुज उदय मांझी का चुनाव में उतरना और उन्हें मिल रहे व्यापक जन समर्थन से उनके समर्थकों मित्रगण और शुभचिंतकों में बेहद उत्साह देखा जा रहा है इसकी प्रमुख वजह यह है कि उदय मांझी मृदु भाषी, व्यवहार कुशल और लोगों के साथ सीधे

तौर पर जुड़े हुए हैं आम लोगों के साथ उनका अपनापन प्रगाढ़ संबंध और लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता ने उन्हें काफी बेहतर स्थिति में ला खड़ा कर दिया है ऐसा राजनीतिक प्रेक्षकों का स्पष्ट मानना है । उदय मांझी के लोकप्रियता का ग्राफ नामांकन के दिन देखने को मिला जब जन सैलाब उमड़ पड़ा था । नामांकन के समय उमड़ी भीड़ और लोगों के उत्साह से उदय मांझी और उनके समर्थकों में भी काफी जोश देखा गया । वर्तमान समय में उदय मांझी पूरे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन परिभ्रमण कर संपर्क अभियान कर रहे हैं और उन्हें व्यापक रूप से जन समर्थन भी मिल रहा है युवाओं के साथ उनके प्रगाढ़ संबंध आम लोगों के साथ मित्रता भी उन्हें अध्यक्ष पद के दौड़ में काफी गति प्रदान कर रहा है उदय मांझी को राजनीति विरासत में मिली है उनके पिता स्वर्ग देवेंद्र माझी 1980 में चक्रधरपुर के विधायक बने तथा उनके अथक प्रयास से चक्रधरपुर अनुमंडल 1982 में बना 1985 के पश्चात 1990 में चक्रधरपुर के बजाय मनोहरपुर से चुनाव लड़ा और वहां से भी विजयी हुए।

इस प्रकार से उदय मांझी भी नगर परिषद चुनाव में निरंतर अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटे हैं और उन्हें सफलता भी मिल रही है ऐसा उनके समर्थकों का स्पष्ट मानना है।

विश्व कैंसर दिवस पर जिला सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम

चतराः विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बुधवार को सदर अस्पताल, चतरा के प्रांगण में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। सदर अस्पताल, चतरा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ। जगदीश प्रसाद ने की।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करते हुए सिविल सर्जन ने आमजनों को संबोधित किया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।सिविल सर्जन ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच के महत्व को समझाना तथा कैंसर पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है। उन्होंने बताया कि सही जानकारी, समय पर पहचान और

उचित उपचार से कैंसर को काफी हद तक रोका एवं नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने आमजनों को बताया कि कैंसर की प्रारंभिक जांच नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपलब्ध है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। दयानंद सरस्वती ने कहा कि कैंसर विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर, तंबाकू एवं नशीले पदार्थों से दूरी बनाकर, संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से कैंसर के कई मामलों से बचाव संभव है।डॉ। सिंड्रेला ने अपने संबोधन में महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा (बच्चेदानी के मुंह) के कैंसर की रोकथाम के लिए नियमित जांच एवं व्यक्तिगत स्वच्छता को अत्यंत आवश्यक बताया। वहीं डॉ। गीतांजलि कुमारी ने जानकारी दी कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच जिला सदर अस्पताल, चतरा में निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि असामान्य रक्तस्राव, बदबूदार योनि स्राव, पेट के निचले हिस्से में दर्द, पेशाब के दौरान दर्द, बार-बार योनि संक्रमण या मूत्र संक्रमण जैसी समस्याओं के लक्षण दिखाई देने पर महिलाओं को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में जांच करानी चाहिए।डॉ। अंकुर कुमार ने कहा कि अस्वस्थ जीवनशैली, तंबाकू एवं शराब का अत्यधिक सेवन तथा जागरूकता की कमी कैंसर के जोखिम को बढ़ाती है। स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम एवं नशे से दूरी अपनाकर कैंसर से बचाव संभव है।कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यक्रम सहायक हरि शंकर (एनसीडी), स्टाफ नर्स सोनी कुमारी, किरण (एनसीडी) सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

डायन-बिसाही के आरोप में बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या, 12 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

चाईबासाः जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसूपी गांव में अंधविश्वास ने एक बार फिर एक बुजुर्ग महिला की जान ले ली। डायन-बिसाही के आरोप में 57 वर्षीय महिला पवदनी सुरीन की भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों को संदेह था कि महिला जादू-टोना करती है और इसी कारण गांव में बीमारियां फैल रही हैं। इसी शक के आधार पर एक समूह ने उनके घर में घुसकर उन पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। हमले के दौरान महिला चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन डर के कारण कोई भी उन्हें बचाने सामने नहीं आया। बाद में परिजनों और पड़ोसियों ने उन्हें अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम में उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटना के 12 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। टोंटो थाना पुलिस जांच की बात कह रही है। इस हत्याकांड के बाद हुसूपी गांव में भय का माहौल है। कई परिवार अपने घरों में सहमे हुए हैं, खासकर बुजुर्ग महिलाएं, जिन्हें भी इसी तरह निशाना बनाए जाने का डर सता रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की अपील की गई है। मामले को लेकर थाना प्रभारी शिवकुमार हेम्ब्रम ने बताया कि हत्या हुई है। पुलिस जांच कर रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

निकाय चुनाव के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक

चतराः नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष आयोजन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में बुधवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामान्य प्रेक्षक सुधीर दास की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सेक्टर मजिस्ट्रेट, मीडिया कोषांग, मतपत्र कोषांग सहित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं सहायक नोडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के परिचय के साथ की गई। इसके पश्चात एक-एक कर सभी निवार्ची पदाधिकारी एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी से नाम-निर्देशन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली गई। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।उपायुक्त ने संबंधित कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेने का निर्देश दिया। वहीं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था से संबंधित संभावित समस्याओं की पहचान करते हुए किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर अविलंब प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण कोषांग को निर्वाचन कार्यों से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही चतरा कॉलेज, चतरा में स्थापित डिस्पैच सेंटर, मतगणना केंद्र एवं वज्रगृह से संबंधित सभी तैयारियों को राज्य निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि निर्वाचन कार्यों से जुड़े सभी कोषांग 247 सक्रिय मोड में कार्यरत हैं। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला परिवहन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया माहेश्वरी प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

चतरा कॉलेज में बनाया गया वज्रगृह, डिस्पैच सेंटर व मतगणना केंद्र ,उपायुक्त ने किया निरीक्षण

चतराः नगर परिषद (आम) निर्वाचन के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में चतरा कॉलेज, चतरा में स्थापित वज्रगृह, डिस्पैच सेंटर एवं मतगणना केंद्र की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से उपायुक्त ने स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वज्रगृह, डिस्पैच सेंटर एवं मतगणना केंद्र से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की एक-एक कर समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेशों के अनुरूप सभी तैयारियां ससमय एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश-निकास मार्ग, सीसीटीवी, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा संदीप सुमन, नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026

अंतिम दिन अध्यक्ष पद पर 22 व 22 वार्डों से 91 अभ्यर्थियों ने दाखिल किया नामांकन

नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा आज

चतराः नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नाम-निर्देशन की प्रक्रिया दिनांक 29 जनवरी से 4 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। नामांकन की अंतिम तिथि 4 फरवरी 2026 तक नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए कुल 22 प्रत्याशियों द्वारा 34 सेटों में नामांकन पत्र दाखिल किए गए। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियों में सुदेश कुमार, अताउर रहमान, राजेश कुमार रौशन, मोहम्मद तौफीक आलम, दिनेश कुमार, अमन कुमार, मोहम्मद इरफान आलम, राजवीर, अभिषेक कुमार, जमुना प्रसाद, हिमांशु कुमार, पप्पू कुमार यादव, मोहम्मद आशिक, मोहम्मद बशीर नेजामुद्दीन, राजेश कुमार, संजय कुमार जायसवाल, शंकर प्रसाद, विद्या सागर आर्य, लक्ष्मी प्रसाद शुक्ला, वीरेंद्र दास, संजय कुमार तथा मोहम्मद तनवीर अख्तर शामिल हैं।नाम-निर्देशन प्रक्रिया के अंतिम दिन तक वार्ड सदस्य पद के लिए नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 01 से 22 तक कुल 91 प्रत्याशियों द्वारा अपने-अपने

नामांकन पत्र निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष दाखिल किए गए। इस प्रकार नगर परिषद क्षेत्र में अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हुई। नगर परिषद क्षेत्र में कुल 22 वार्ड हैं, जहाँ नगर परिषद अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का प्रत्यक्ष निर्वाचन गैर-दलीय आधार पर संपन्न कराया जाएगा। वार्ड सदस्य पद के लिए वार्ड संख्या 01 वासुदेव यादव, धीरज कुमार, योगेंद्र यादव, राकेश कुमार, भोला बिहारी लाल, वार्ड संख्या 2 निखत प्रवीण, अनीता देवी, ऋतिक कुमारी, संगीता सिन्हा, कांति देवी, वार्ड संख्य 3 मोहम्मद शमीम अख्तर, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद नेहाल, सैउद्दूर रहमान,संजय कुमार, आलोक कुमार, प्रमोद कुमार नाग, वार्ड संख्या 4 पार्वती देवी, सरिता देवी, कुमारी निशा, रानी कुमारी, मीणा कुमारी, वार्ड संख्या 5 प्रवेश कुमार चौरसिया, रिंकू देवी, मोहम्मद वहाजूलहक, वार्ड संख्या 6 दीपक कुमार वर्मा, मनोज कुमार प्रधान, वार्ड संख्या 7 पूनम कुमारी, पूनम देवी, शकुंतला देवी, मधुलता सिन्हा, वार्ड संख्या 8 सेवंती देवी, सुमित जयसवाल, सरिता देवी, हीरामन साव, सोमेंद्र नाथ घोष, वार्ड संख्या 9 धनेश्वरी देवी, साधना कुमारी, बबीता कुमारी, प्रमिला देवी, वार्ड संख्या 10 मीरा देवी, मिरा देवी, बबीता देवी, जूली प्रवीण, वार्ड संख्या 11 वेदवती जयसवाल, कुमारी विनीता, वार्ड संख्या 12 आबिद हुसैन, आफताब आलम, मोहम्मद शोएब, मोहम्मद मजीद आलम, वार्ड संख्या 13 माया देवी, वार्ड संख्या 14 रोकसार प्रवीण, अनीशा खातून, अफसान खातून, तबस्सुम आरा, रोखसार प्रवीण, वार्ड संख्या 15 उजाला प्रवीण, फिरदोशी रौनक, सहिना खातून, वार्ड संख्या 16 उज्वल कुमार, रविन्द्र सिंह, छोटू कुमार, रामप्रवेश कुमार, राजा कुमार मालाकार, अमन कुमार गुप्ता, विशाल कुमार, सुशील कुमार, वार्ड संख्या 17 सुमिता मनी दास, प्रतिमा देवी, अंजू कुमारी, सुमित्रा देवी, वार्ड संख्या 18 प्रेमचंद साहू, सुधीर कुमार, मोहम्मद आशिफ इकबाल, वार्ड संख्या 19 अब्दुल गफ्फार, हलीमा खातून, अजहर हकीम, वार्ड संख्या 20 इशरत खातून, मोहम्मद फैजल, मोहम्मद नेसार, मोहम्मद इमरान, वार्ड संख्या 21 विनोद राम, नंदकिशोर भुइयां, वार्ड संख्या 22 मनजीत कुमार, सौरभ कुमार, मुकेश कुमार, नितेश कुमार, प्रकाश कुमार, दीपक कुमार, अनिल कुमार, अरविंद कुमार ने वार्ड सदस्य पद के लिए अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।नगर परिषद क्षेत्र में कुल 35,562 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 17,525 पुरुष तथा 18,037 महिला मतदाता शामिल हैं।